तापमान
अधिकतम 39.0 डिग्री
न्यूनतम 23.1 डिग्री

हरिभूमि
रायपुर भूमि
रायपुर, शुक्रवार 14 मार्च 2025

13 खुले स्थानों पर डाल रहे मलबा निगरानी का सिस्टम फेल...

14 होली में हुड़दंग की आशंका सौ से ज्यादा बदमाश जेल...

मैनेजमेंट के लिए इंजीनियरिंग और विज्ञान के छात्र लेकिन कला के नहीं, पीएससी अधिसूचना पर बवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अलग खबर

- मध्यप्रदेश में इसी पद के लिए सभी विषय की डिग्री है मान्य

पीएससी के एक नियम से सालों से प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी प्रबंधक पद के लिए आवेदन नहीं कर पा रहे हैं। पीएससी द्वारा उद्योग विभाग के अंतर्गत प्रबंधक पद के लिए भर्ती निकाली गई है। इसके लिए आवेदन 10 मार्च से प्रारंभ हो चुके हैं। 4 अप्रैल तक आवेदन मांगे गए हैं। सीजी पीएससी द्वारा जारी अधिसूचना के मुताबिक, इसके लिए केवल वे ही आवेदन कर सकते हैं, जिनके पास इंजीनियरिंग की डिग्री हो अथवा विज्ञान विषय में स्नातकोत्तर की उपाधि हो या अभ्यर्थी ने एमबीए किया हो।

इस नियम पर अभ्यर्थियों ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि उद्योग विभाग के अंतर्गत प्रबंधक पद के लिए तकनीकी योग्यता अनिवार्य कर दी गई है। हालांकि, प्रबंधक का कार्य मुख्यतः गैर-तकनीकी प्रकृति का है, जिसमें प्रबंधन कौशल, नेतृत्व क्षमता और संगठनात्मक कार्यों का संचालन प्रमुख होता है। इस पद के लिए तकनीकी योग्यता की अनिवार्यता तर्कसंगत नहीं प्रतीत होती। इसे लेकर उन्होंने उद्योग संचालनालय, पीएससी कार्यालय सहित उद्योग मंत्री को भी खत लिखा है।

उद्योग विभाग के अंतर्गत प्रबंधक के लिए निकाली गई है भर्ती, आवेदन शुरू

सिलेबस में भी तकनीकी सवाल नहीं

किसी भी विषय की परीक्षा के लिए अधिसूचना जारी करने के साथ ही पीएससी द्वारा सिलेबस भी जारी किया जाता है, जिसके आधार पर मुख्य परीक्षा में सवाल पूछे जाते हैं। उद्योग संचालनलाय के अंतर्गत प्रबंधक पद में भर्ती के लिए जो सिलेबस जारी किया गया है, उसमें कहीं भी तकनीक अथवा विज्ञान आधारित पाठ्यक्रम या टॉपिक नहीं है। ऐसे में अभ्यर्थी यह सवाल कर रहे हैं कि जब तकनीकी अथवा विज्ञान संबंधित सवाल सिलेबस का ही हिस्सा नहीं हैं, तो सिर्फ इन्हें ही क्यों पात्र घोषित किया गया है।

मध्यप्रदेश में नहीं है अनिवार्यता

अपने आवेदन में अभ्यर्थियों द्वारा मध्यप्रदेश का भी उदाहरण दिया गया है। मप्र में किसी भी विभाग में प्रबंधक पद की भर्ती के लिए शैक्षणिक योग्यता स्नातक ही मांगी जाती है। किसी विषय विशेष में स्नातक अथवा स्नातकोत्तर करने की बाध्यता नहीं है। अभ्यर्थी इसी तर्ज पर छत्तीसगढ़ में भी व्यवस्था करने की मांग कर रहे हैं।

खबर संक्षेप

होली त्योहार पर आज शाम एक घंटे ज्यादा खुलेंगे निगम के नल

रायपुर। रंगों के त्योहार होली पर्व पर इस बार शुक्रवार को नगर निगम के जल विभाग द्वारा राजधानीवासियों को 20 एमएलडी अतिरिक्त जल की आपूर्ति की जाएगी। आमतौर पर नगर निगम के फिल्टर प्लांट से शहरवासियों के लिए प्रतिदिन 280 एमएलडी जल आपूर्ति की जाती है। पर होली त्योहार को ध्यान में रखते हुए इस दिन 300 एमएलडी जल आपूर्ति शाम के समय की जाएगी, यानी लोगों के घरों में नगर निगम का नल त्योहार के दिन शाम के समय एक घंटे पहले खुलेगा। होली त्योहार पर जल विभाग शहर की 45 नई व पुरानी पानी टंकियों से 70 वार्डों में 300 एमएलडी जल की आपूर्ति करेगा, जो कि अन्य दिनों की तुलना में 20 एमएलडी ज्यादा होगी। जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेंद्र ने बताया कि शुक्रवार सुबह के समय नियमित जल आपूर्ति देने के बाद दोपहर के समय जल आपूर्ति नहीं होगी।

गर्मी के पीक सीजन में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों की कई बस्ती-मोहल्ले व वार्डों में बढ़ेगी समस्या

मार्च में ही जमीन का पानी सूख रहा, शहर के कई इलाकों में 50 से 100 फीट तक उतरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गर्मी का मौसम इस बार फरवरी से ही शुरू हो गया है, जिसके कारण तापमान भी लगातार बढ़ रहा है। तापमान बढ़ने से भू-जल में भी तेजी से गिरावट आने लगी है। मार्च माह के प्रथम पखवाड़े में ही राजधानी रायपुर के शहर के कई इलाकों में जहां भूजल स्तर में 50 फीट से लेकर 100 फीट तक गिरावट आ चुकी है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में 100 से 150 फीट तक भूजल स्तर गिर गया है। भूजल वैज्ञानिकों के अनुसार, कई सालों बाद ऐसा देखा जा रहा है कि मार्च माह के प्रथम पखवाड़े में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल स्तर में इतनी ज्यादा गिरावट आई है। इससे पहले अप्रैल में भूजल में ▶▶|शेष पेज 12 पर

ग्रामीण क्षेत्र में 85 एवं शहर में 15 प्रतिशत भूजल का दोहन

भूजल का दोहन शहर और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में किया जा रहा है। शहर में 15 प्रतिशत एवं ग्रामीण क्षेत्र में 85 प्रतिशत तक भूजल का दोहन किया जा रहा है। यही कारण है कि फरवरी में ही भूजल स्तर में रिकार्ड गिरावट आई है। यह गिरावट आगामी दिनों में बढ़ती जाएगी।

- डॉ. विपिन दुबे, एमएससी, एमफिल, मानद डॉक्टरेट उपाधि (भूजल विज्ञान)

शहर में इन इलाकों में गिरा भूजल स्तर : वैज्ञानिक के अनुसार, रायपुर लभांडी, फाफाडीह, खमतराई, भनपुरी, सड्डू-मोवा, श्रीनगरे, उरला, अनुपमनगर, तेलीबांधा, अवंति विहार, टैगोर नगर सहित अन्य कई इलाकों में भूजल स्तर 50 फीट से लेकर 100 फीट तक नीचे गिर गया है। इन इलाकों के अलावा भी ऐसे कई इलाके हैं, जहां भूजल स्तर में अभी मामूली गिरावट आई है। खारुन नदी से लगे इलाके महादेवघाट, चंगोराभाठा, रायपुरा, संतोषीनगर, डीडीनगर सहित आसपास के इलाकों में अभी भूजल स्तर में गिरावट आई नहीं है। हालांकि इन इलाकों में भी मार्च के अंतिम सप्ताह या अप्रैल से गिरावट आनी शुरू हो जाएगी।

भूजल का दोहन कर तालाबों को भरा जा रहा

भूजल वैज्ञानिक के अनुसार, मार्च के प्रथम पखवाड़े में भूजल स्तर में आई इस गिरावट का एक कारण मौसम में आया बड़ा परिवर्तन है। ठंड इस बार ज्यादा पड़ी नहीं और गर्मी जल्दी आ गई, जिससे फरवरी से ही तेज धूप के कारण कुंआ, तालाब, नहर, जलाशय, नदी सभी के जलस्तर में गिरावट शुरू हो गई है। दूसरा इससे भी बड़ा कारण है भूजल का दोहन। शहर हो या ग्रामीण क्षेत्र, भूजल का हर जगह अब दोहन किया जा रहा है। शहर में डेवलपमेंट कार्यों के लिए जहां भूजल का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, वहीं तालाबों को पानी से भरने के लिए भी अब ▶▶|शेष पेज 12 पर

कार बनी नोट उगलने वाली मशीन, चेंबर में और मिले दो करोड़ 85 लाख

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

- आयकर अधिकारी मामले की जांच कर रहे

टाटीबंद में पुलिस ने मंगलवार देर रात जिस कार से एक करोड़ 67 लाख रुपए जब्त किए। उसी कार से पुलिस ने गुरुवार को दो करोड़ 85 लाख रुपए और निकाले हैं। इस तरह से नोटों की कुल जब्ती का आंकड़ा चार करोड़ 52 लाख रुपए को छू गया है। सूत्रों के मुताबिक, रुपए दिल्ली के किसी कारोबारी के बताए जा रहे हैं, जिसे नागपुर छोड़ने दो ड्राइवर हायर किए गए थे। सूत्रों के मुताबिक, हवाला कारोबार से जुड़े किसी करीबी ने मुखबिरी ▶▶|शेष पेज 12 पर

दूसरे चेंबर के बारे में पूछताछ में खुलासा

रुपए के साथ पकड़े गए श्रीकांत तथा विनोद कुशवाहा से पुलिस ने गुरुवार को एक बार फिर नए सिरे से पूछताछ की। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने कार में एक और चेंबर बने होने की जानकारी पुलिस को दी। साथ ही दूसरे चेंबर में दो करोड़ 85 लाख रुपए होने की जानकारी दी। चेंबर इस ढंग से बनाया गया था कि जिसे कोई भी नहीं जान सकता। जब्त नोट फिलहाल पुलिस के कब्जे में है।

दोहरी परीक्षा : छग के स्कूलों व पालकों को भाया मसौदा, किसी ने नहीं भेजे सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

सीबीएसई द्वारा अगले शैक्षणिक सत्र से वर्ष में दो बार परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई ने फरवरी में यह घोषणा की थी। इसके बाद 9 मार्च तक अभिभावकों, निजी स्कूलों सहित आम जनता से राय मांगी गई थी। प्रदेश के निजी स्कूलों और अभिभावकों को सीबीएसई की दोहरी परीक्षा की यह नीति इतनी भा गई है कि किसी ने भी इसमें सुधार अथवा किसी तरह के बदलाव के लिए सुझाव नहीं दिए हैं। प्रदेश के निजी विद्यालयों में ही सीबीएसई पाठ्यक्रम संचालित है। जबकि सभी शासकीय विद्यालयों में सीजी बोर्ड का पाठ्यक्रम लागू है।

सीबीएसई के मसौदे के मुताबिक, पहली परीक्षा 17 फरवरी से 6 मार्च तक और दूसरी 5 से 20 मई तक होगी। इसके अलावा, मसौदे में परीक्षा शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव है, जो पहले ही लिया जाएगा और वापस नहीं होगा। जो छात्र कक्षा 11वीं में स्कूल बदलेंगे, उनके अभिभावकों को देर से परिणाम आने के कारण अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है। इसके बाद भी छात्रों को मानसिक दबाव से राहत दिलाने के लिए उठाए गए कदम का सभी ने स्वागत किया है।

अगले शैक्षणिक सत्र से वर्ष में दो बार आयोजित की जाएगी 10वीं-12वीं की परीक्षा

संबद्धता के लिए आवेदन 30 जून तक

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए संबद्धता लेने, संबद्धता के विस्तार और अपग्रेडेशन, दो पालियां चलाने की अनुमति, अतिरिक्त विषय शुरू करने, स्कूल के नाम में बदलाव समेत अन्य श्रेणियों के लिए स्कूल 30 जून तक आवेदन कर सकेंगे। बोर्ड ने आगामी सत्र के लिए विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत संबद्धता के लिए ऑनलाइन आवेदन विंडो को 11 मार्च से खोल दिया है। इसके लिए स्कूलों को आवेदन करते समय यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका ऑनलाइन एफिलिएटेड स्कूल इंफॉर्मेशन सिस्टम डेटा सही ढंग से अपडेट हो। स्कूलों को बोर्ड के सरस पोर्टल पर संबद्धता, स्विच ओवर, अपग्रेडेशन विस्तार के लिए आवेदन करना होगा। इसके अलावा स्कूलों को वेबसाइट पर निर्धारित दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य है।

अंतिम ड्रॉफ्ट में सुधार

सीबीएसई द्वारा दोहरी परीक्षा के संदर्भ में पेश किए गए प्रस्ताव के अंतिम ड्राफ्ट में सुधार किया गया है। इस कारण बदलाव संबंधित सुझाव प्रदेश से नहीं गए हैं।

-राजीव गुप्ता, अध्यक्ष प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन

गोशाला में गायों की मौत, कांग्रेस ने बनाई जांच समिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखण्ड के ग्राम कोपरा स्थित शिवबाबा कोपेश्वरनाथ गोशाला में विगत दिनों कई गायों की मौत हुई थी। घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता धनेंद्र साहू के संयोजकत्व में 3 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। जांच समिति में पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ल, पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर सदस्य बनाए गए हैं। जांच समिति कोपरा गोशाला जाएंगे एवं ग्रामवासियों से भेंटकर घटना की वस्तुस्थिति से अवगत होकर अपनी जांच रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को देंगे।

■ वरिष्ठ नेता धनेंद्र साहू बनाए गए जांच समिति के संयोजक

मामले में पुलिस ने शिवबाबा कोपेश्वर नाथ संस्था के अध्यक्ष मनोज साहू और संयोजक हलधरनाथ गोस्वामी के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम और बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। कोपरा नगर पंचायत के सीएमओ ने पांडुका थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 2 फरवरी से 7 मार्च तक कुल 19 मवेशियों की मौत हुई है।

दो के खिलाफ एफआईआर दर्ज

गायों के खानपान एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी शिवबाबा कोपेश्वरनाथ संस्था के अध्यक्ष मनोज साहू और संयोजक हलधरनाथ गोस्वामी की थी, लेकिन दोनों की लापरवाही के कारण पशुओं को समय पर खाना नहीं दिया गया। मशेवियों की बीते एक महीने में असमय मृत्यु हुई। आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम और बीएनएस के धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया। साथ ही पृथक से प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है।

श्रम विभाग तैयार कर रहा है ठेका श्रमिक नियम में बदलाव

महिला से नाइट ड्यूटी कराई तो वाहन से घर तक सुरक्षित पहुंचाना होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अगर कोई ठेकेदार किसी महिला कर्मी से नाईट ड्यूटी कराता है तो उसकी ये जिम्मेदारी होगी कि वह उस महिला को ड्यूटी के बाद सुरक्षित वाहन से उसके घर तक पहुंचाए। राज्य सरकार ने यह व्यवस्था लागू करने के लिए ठेका श्रमिकों के लिए बने नियम में बदलाव की तैयारी की है। इस नियम को लागू करने के पहले इससे प्रभावित होने वाले लोगों से सुझाव या आपत्ति बुलाई गई है।

श्रम विभाग कर रहा है ये काम

नियम में बदलाव कर नई व्यवस्था लागू करने के लिए राज्य सरकार का श्रम विभाग ठेका श्रमिक में संशोधन करने की तैयारी है। इस बारे में श्रम विभाग के नवा रायपुर स्थित कार्यालय में 30 दिनों में सुझाव लिए जाएंगे, आपत्तियों का निराकरण करने के बाद यह लागू किया जाएगा।

सुरक्षित घर तक पहुंचाना होगा

रात की पाली में काम करने वाली महिला कर्मियों को कार्यस्थल से उनके निवास तक सुरक्षित रूप से पहुंचाने के लिए सुरक्षागार्ड के साथ समुचित वाहन की व्यवस्था की जाएगी। पुलिस द्वारा सत्यापित वाहन, वाहन चालक एवं सुरक्षागार्ड का विवरण आदि की जानकारी भी रखी जाएगी। यह काम नियोजक के हिस्से का होगा।

रात्रि पाली की ड्यूटी के लिए अब होगी ये शर्त

यह नियम उन ठेकेदारों पर लागू होगा, जो ठेका श्रमिक नियम के अधीन पंजीकृत होते हैं। अगर ये किसी महिला कर्मी को रात 7 बजे से सुबह 6 बजे तक काम पर रखते हैं तो सबसे पहले इसके लिए महिला कर्मी की लिखित में सहमति लेनी होगी। यह सहमति एक लिखित प्रारूप में होगी। रात्रि पाली में कम से कम तीन महिला कर्मियों को एक साथ काम पर रखना होगा।

ये इंतजाम भी करना पड़ेगा

प्रत्येक ठेकेदार द्वारा दुकान, स्थापना में महिला कर्मियों के लिए अलग से मूत्रालय एवं शौचालय की व्यवस्था की जाएगी, जिसके दरवाजे में केवल अंदर की ओर से सुरक्षा सिटकनी की व्यवस्था होगी। किसी महिला कर्मकार को मातृत्व हितलाभ अधिनियम के अधीन मातृत्व हितलाभ प्रावधानों के विरुद्ध नियोजित नहीं किया जाएगा। प्रत्येक कार्यस्थल पर पर्याप्त प्रकाश, हवा के साथ-साथ स्वास्थ्य अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रत्येक कार्यस्थल, जहां कि कर्मकारों से लगातार खड़े होकर कार्य की अपेक्षा की जाती हो, वहां प्रत्येक कर्मकार के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था नियोजक द्वारा की जाएगी, जिससे कि कर्मकार नियत अंतराल में आवश्यकतानुरूप बैठ सके। प्रत्येक ठेकेदार, अग्नि से सुरक्षा संबंधी समुचित प्रावधान का पालन करेगा। कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम, जो स्थापनाओं पर लागू हो, के उपबंधों का अनुपालन किया जाएगा। शाम 7 बजे से प्रातः 6 बजे के मध्य किसी भी कारखाने या खतरनाक श्रेणी के कार्य में ठेकेदार द्वारा महिलाओं का नियोजन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

छत्तीसगढ़ में जल्द बनेगा धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

होली त्योहार के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धर्मांतरण को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि धर्मांतरण को रोकने के लिए जल्द ही कानून बनाया जाएगा। इसके लिए विधि विशेषज्ञ अध्ययन कर रहे हैं। इसमें थोड़ा समय लग सकता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपने गृहग्राम बगिया में होली त्योहार मनाएंगे। वे गुरुवार दोपहर में बगिया के लिए रवाना हो गए। उन्होंने प्रदेश की जनता को प्रदेशवासियों को रंगों और उल्लास के महापर्व होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस अवसर पर सभी नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि, आनंद और परस्पर प्रेम की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा, होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करने वाला पर्व है। यह त्योहार हमें सिखाता है कि जीवन में प्रेम, सौहार्द्र और भाईचारे का रंग सबसे अनमोल है।

■ सीएम साय बगिया में मनाएंगे होली

होली भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग

मुख्यमंत्री ने कहा, होली का त्योहार सदियों से भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग रहा है, जहां भेदभाव मिट जाते हैं और लोग आपसी स्नेह, उल्लास तथा उमंग के रंगों में घुल-मिल जाते हैं। यह पर्व हमें बुराई पर अच्छाई की विजय, प्रेम की जीत और समाज में सौहार्द्र को और मजबूत करने का संदेश देता है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि हम सभी होली के पावन पर्व को प्रेम, सौहार्द्र और आनंद के साथ मनाएं, एक-दूसरे के जीवन में खुशियों के रंग भरें एवं छत्तीसगढ़ की समरसता तथा एकता को और अधिक सशक्त बनाएं।

शराब भट्ठी पर उमड़ी पियक्कड़ों की भीड़, एक दिन में बिक गई 15 करोड़ से अधिक की मदिरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

होली त्योहार के कारण शराब दुकानों पर पियक्कड़ों की भीड़ टूट पड़ी। सुबह से रात दुकान बंद होने तक शराब दुकानों में खरीदारों की लंबी कतार लगी रही। विभागीय सूत्रों के अनुसार, होलिका दहन के एक दिन पूर्व रायपुर जिले में करीब 15 करोड़ रुपए की शराब की खपत हुई। वहीं होलिका दहन के दिन 20 करोड़ रुपए के करीब शराब की बिक्री होने का अनुमान लगाया गया है। इस तरह दो दिन में 35 करोड़ रुपए की शराब जिले में बिकी है। इधर आबकारी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बिक्री के वास्तविक आंकड़े त्योहार के बाद ही मिल पाएंगे। त्योहार के कारण शराब बिक्री का हिसाब-किताब हो नहीं पाया है।

तीन से चार गुना अधिक शराब बिकी : रायपुर शहर में सामान्य दिनों की तुलना में होली त्योहार के दौरान तीन से चार गुना अधिक शराब की बिक्री हुई है। सूत्रों की मानें तो शहर में दो दिन में 35 करोड़ से अधिक शराब की बिक्री हुई है। शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी शराब दुकानों में पियक्कड़ों की दो दिन से भारी भीड़ उमड़ रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी दो दिन तीन से चार गुना शराब की बिक्री हुई है।

पेज 11 के शेष ...

मार्च में ही जमीन...

इस तरह की गिरावट आती थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बार जिस तेजी से भूजल स्तर में गिरावट आई है, इसे देखकर यह अनुमान लगाना गलत नहीं होगा कि गर्मी के पीक सीजन मई में भूजल स्तर 300 से 400 फीट नीचे तक जा सकता है।

भूजल का दोहन कर...

भूजल का दोहन किया जा रहा है। शहर के जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में भी तालाबों का गहरीकरण एवं नए तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। वहीं इन तालाबों को भी बोर के पानी से भरा जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के कार्य में सबसे ज्यादा पानी की खपत होती है। इस खपत की भरपाई भी भूजल का दोहन कर की जाती है। इसके लिए 3 एचपी से लेकर 10 एचपी पॉवर वाले पंप लगाए जाते हैं, जिससे काफी तेजी से जमीन से पानी की निकासी होती है। इस तरह ग्रामीण क्षेत्रों में शहर की तुलना में और ज्यादा तेजी से भूजल स्तर में गिरावट आ रही है, जो भविष्य के लिए बड़ी समस्या बन सकती है।

कार बनी नोट उगलने...

की है, जिसके चलते पुलिस ने कार से नोटों का जखीरा बरामद किया है। नोट जब्ती को लेकर आमानाका पुलिस का कहना है कि मामले की जांच आयकर अधिकारी कर रहे हैं। नोटों के स्त्रोत के बारे में पुलिस अफसर आयकर अफसरों द्वारा कुछ बता पाने की बात कही जा रही है। पुलिस के अनुसार, हवाला की जांच पुलिस नहीं करती, इस वजह से उन्हें इस संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं है। आयकर अफसरों से नोटों के स्त्रोत के बारे में जानकारी ली गई तो आयकर अफसर मामले की जांच जारी होने की बात कह रुपए के संबंध में कुछ भी बता पाने को लेकर असमर्थता जताई है। हर सप्ताह होता था हवाला : पुलिस ने भारत सिरीज की जिस कार को जब्त किया है। उक्त कार का उपयोग हवाला की रकम ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था। पुलिस के अनुसार, उक्त कार से हर सप्ताह हवाला के माध्यम से पांच से दस करोड़ रुपए नागपुर पहुंचाए जा रहे थे। बस अथवा ट्रेन रूट से जाने पर पकड़े जाने का खतरा था। इस वजह से कार में विशेष प्रकार का चेंबर बनाकर हवाला के माध्यम से नागपुर रुपए भेजे जाते थे। रुपए अलग-अलग कारोबारी के या एक के, स्पष्ट नहीं : पुलिस ने जिन ड्राइवरों के कब्जे से पैसे जब्त किए हैं। उक्त रकम अलग-अलग कारोबारी से एकत्रित कर नागपुर हवाला के जरिए भेजी जा रही थी या फिर किसी एक कारोबारी की रकम है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। रकम दिल्ली के किसी कारोबारी की बताई जा रही है। ऐसे में दिल्ली के कारोबारी का रायपुर में किस तरह का कनेक्शन है। इस पर संशय की स्थिति बनी हुई है।

निधन — प्रदीप शेष

रायपुर। रायपुर निवासी प्रदीप रामकृष्ण शेष का 13 मार्च को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे स्व. रामकृष्ण शेष के पुत्र, प्रकाश, श्याम व राजेंद्र शेष के भाई और समीर, नवीन शेष के पिता थे।

रायपुर से जबलपुर, इंदौर हैदराबाद और जयपुर के लिए नई ट्रेनों की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में रेलवे की 2,731 किलोमीटर लंबाई की 25 परियोजनाओं पर 37,018 करोड़ रुपए की कार्ययोजना व निर्माण प्रक्रिया में है, जिनमें से 882 किलोमीटर कार्य पूरा किया जा चुका है। यह जानकारी रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के छत्तीसगढ़ में रेलवे के विकास कार्यों को लेकर किए गए प्रश्न के जवाब में दी।

■ छत्तीसगढ़ को जल्द ही अधिक रेल सेवाओं का लाभ मिलेगा : बृजमोहन

श्री अग्रवाल ने रेलमंत्री से पिछले पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ में स्वीकृत रेलवे परियोजनाओं, उनके कार्यान्वयन की स्थिति, लंबित परियोजनाओं के कारणों और नई रेलगाड़ियों की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी मांगी। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, वर्ष 2009-14 की तुलना में 2014-24 के दौरान नई रेल पटरियों की कमीशनिंग 15 गुना बढ़ी है। वर्ष 2009-14 में सिर्फ 32 किमी. रेललाइन बिछाई गई थी, जबकि 2014-24 में 999 किलोमीटर रेललाइन चालू की गई। रेलवे बजट आवंटन भी वर्ष 2009-14 में 311 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष से 2024-25 में बढ़कर 6922 करोड़ रुपए हो गया है, जो 22 गुना वृद्धि दर्शाता है।

श्री अग्रवाल के सवाल पर मंत्री ने बताया, रेलवे परियोजनाओं की प्रगति भूमि अधिग्रहण, वन स्वीकृतियों, राज्य सरकार की लागत भागीदारी, जनोपयोगी सेवाओं के स्थानांतरण, कानूनी और जलवायु परिस्थितियों जैसी कई बाधाओं पर निर्भर करती है। रेलवे मंत्रालय द्वारा परियोजनाओं की प्राथमिकता तय करने, बजट आवंटन बढ़ाने, निगरानी तेज करने और राज्य सरकारों के साथ समन्वय स्थापित करने जैसे कदम उठाए गए हैं, जिससे रेलवे विकास की गति को तेज किया जा सके। श्री अग्रवाल ने रायपुर से जबलपुर, इंदौर, हैदराबाद और जयपुर के लिए नई रेलगाड़ियों की मांग की है।

पलक सुखवानी एक वोट से जीतकर बनीं पालिका उपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

नगर पालिका परिषद तिल्दा नेवरा में आज उपाध्यक्ष पद के लिए मतदान हुआ। जिसमें भारी गहमागहमी के बीच 3 पार्षदों द्वारा नामांकन दाखिल किया गया, जिसमें भाजपा से पलक सुखवानी, कांग्रेस से राजेश कोटवानी एवं निर्दलीय गोविंद उर्फ बब्बन लालवानी शामिल थे जहां कांग्रेस के राजेश कोटवानी ने गोविंद बब्बन लालवानी के समर्थन में अपना नाम वापस ले लिया। जिसके बाद भाजपा की पलक सुखवानी और निर्दलीय पार्षद गोविंद लालवानी बब्बन के बीच मुख्य मुकाबला था। बतादें तिल्दा नेवरा नगर पालिका में अध्यक्ष चंद्रकला वर्मा एवं 12 पार्षद भाजपा के है। वहीं 5 निर्दलीय व 5 पर कांग्रेसी पार्षद जीते है।

आज उपाध्यक्ष के मतदान में भाजपा प्रत्याशी पलक सुखवानी को 12 मत एवं निर्दलीय गोविंद लालवानी को 11 मत मिले एक वोट से भाजपा की पलक सुखवानी जीत गई। बता दे भाजपा के पास 12 पार्षद व अध्यक्ष को मिलाकर 13 वोट थे, साथ ही बताया गया कि 1 निर्दलीय पार्षद भी इनके खेमे में थे, ऐसे में भाजपा के पास कुल 14 वोट थे , साथ ही कुछ भाजपा पार्षदों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर यह भी बताया कि भाजपा प्रत्याशी को उपाध्यक्ष चुनाव में कुल 16 वोट मिलने थे, जिसके लिए सभी आश्वस्त भी थे। लेकिन 12 वोट ही मिले, जबकि 14 वोट तो उनके खेमे में ही थे। ऐसे में जमकर क्रॉस वोटिंग की चर्चा भी है।

भाजपा प्रत्याशी को वोट देने की चर्चा

वहीं एक निर्दलीय पार्षद और एक कांग्रेस के पार्षद ने भाजपा को वोट देने की जमकर चर्चा है। उक्त वार्ड 19 के निर्दलीय पार्षद तो शपथ ग्रहण के दिन ही भाजपा का गमछा पहन लिया था। और उपाध्यक्ष चुनाव में वह भाजपा के खेमे में था। वहीं एक कांग्रेसी पार्षद द्वारा भाजपा प्रत्याशी को वोट देने की जमकर चर्चाएं हो रही है। कई कांग्रेसी भी कह रहे है कि एक कांग्रेस पार्षद ने गद्दारी कर दी है। वहीं सूत्रों ने बताया कि कुछ पार्षदों ने निर्दलीय प्रत्याशी एवं भाजपा के प्रत्याशी से भी उपाध्यक्ष चुनाव के लिए जमकर मोटी रकम ली है। और वोट अपने मन से किसी एक को दिए है।

स्कूल सफाई कर्मचारी करेंगे सरगुजा से जशपुर तक पदयात्रा

रायपुर। प्रदेशभर के स्कूलों में कार्यरत 43301 स्कूल सफाई कर्मचारी अंशकालीन से पूर्णकालीन करने की मांग को लेकर पदयात्रा निकालेंगे। यह पदयात्रा सरगुजा से जशपुर तक होगी, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूल सफाई कर्मचारी भाग लेंगे। कर्मचारी पैदल मार्च कर जशपुर जिले के बगिया स्थित सीएम निवास पहुंचकर अपनी लंबित मांग के संबंध में पत्र सौंपेंगे।

दोहरी परीक्षा : छग के स्कूलों व पालकों को भाया मसौदा, किसी ने नहीं भेजे सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

सीबीएसई द्वारा अगले शैक्षणिक सत्र से वर्ष में दो बार परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। सीबीएसई ने फरवरी में यह घोषणा की थी। इसके बाद 9 मार्च तक अभिभावकों, निजी स्कूलों सहित आम जनता से राय मांगी गई थी। प्रदेश के निजी स्कूलों और अभिभावकों को सीबीएसई की दोहरी परीक्षा की यह नीति इतनी भा गई है कि किसी ने भी इसमें सुधार अथवा किसी तरह के बदलाव के लिए सुझाव नहीं दिए हैं। प्रदेश के निजी विद्यालयों में ही सीबीएसई पाठ्यक्रम संचालित है। जबकि सभी शासकीय विद्यालयों में सीजी बोर्ड का पाठ्यक्रम लागू है।

सीबीएसई के मसौदे के मुताबिक, पहली परीक्षा 17 फरवरी से 6 मार्च तक और दूसरी 5 से 20 मई तक होगी। इसके अलावा, मसौदे में परीक्षा शुल्क बढ़ाने का प्रस्ताव है, जो पहले ही लिया जाएगा और वापस नहीं होगा। जो छात्र कक्षा 11वीं में स्कूल बदलेंगे, उनके अभिभावकों को देर से परिणाम आने के कारण अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है। इसके बाद भी छात्रों को मानसिक दबाव से राहत दिलाने के लिए उठाए गए कदम का सभी ने स्वागत किया है।

अगले शैक्षणिक सत्र से वर्ष में दो बार आयोजित की जाएगी 10वीं-12वीं की परीक्षा

संबद्धता के लिए आवेदन 30 जून तक

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए संबद्धता लेने, संबद्धता के विस्तार और अपग्रेडेशन, दो पालियां चलाने की अनुमति, अतिरिक्त विषय शुरू करने, स्कूल के नाम में बदलाव समेत अन्य श्रेणियों के लिए स्कूल 30 जून तक आवेदन कर सकेंगे। बोर्ड ने आगामी सत्र के लिए विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत संबद्धता के लिए ऑनलाइन आवेदन विंडो को 11 मार्च से खोल दिया है। इसके लिए स्कूलों को आवेदन करते समय यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका ऑनलाइन एफिलिएटेड स्कूल इंफॉर्मेशन सिस्टम डेटा सही ढंग से अपडेट हो। स्कूलों को बोर्ड के सरस पोर्टल पर संबद्धता, स्विच ओवर, अपग्रेडेशन विस्तार के लिए आवेदन करना होगा। इसके अलावा स्कूलों को वेबसाइट पर निर्धारित दस्तावेज अपलोड करना अनिवार्य है।

अंतिम ड्रॉफ्ट में सुधार

सीबीएसई द्वारा दोहरी परीक्षा के संदर्भ में पेश किए गए प्रस्ताव के अंतिम ड्राफ्ट में सुधार किया गया है। इस कारण बदलाव संबंधित सुझाव प्रदेश से नहीं गए हैं।

-राजीव गुप्ता, अध्यक्ष प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन

गोशाला में गायों की मौत, कांग्रेस ने बनाई जांच समिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर विकासखण्ड के ग्राम कोपरा स्थित शिवबाबा कोपेश्वरनाथ गोशाला में विगत दिनों कई गायों की मौत हुई थी। घटना को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता धनेंद्र साहू के संयोजकत्व में 3 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। जांच समिति में पूर्व मंत्री अमितेश शुक्ल, पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर सदस्य बनाए गए हैं। जांच समिति कोपरा गोशाला जाएंगे एवं ग्रामवासियों से भेंटकर घटना की वस्तुस्थिति से अवगत होकर अपनी जांच रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस कमेटी को देंगे।

- वरिष्ठ नेता धनेंद्र साहू बनाए गए जांच समिति के संयोजक

मामले में पुलिस ने शिवबाबा कोपेश्वर नाथ संस्था के अध्यक्ष मनोज साहू और संयोजक हलधरनाथ गोस्वामी के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम और बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है। कोपरा नगर पंचायत के सीएमओ ने पांडुका थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 2 फरवरी से 7 मार्च तक कुल 19 मवेशियों की मौत हुई है।

दो के खिलाफ एफआईआर दर्ज

गायों के खानपान एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी शिवबाबा कोपेश्वरनाथ संस्था के अध्यक्ष मनोज साहू और संयोजक हलधरनाथ गोस्वामी की थी, लेकिन दोनों की लापरवाही के कारण पशुओं को समय पर खाना नहीं दिया गया। मशेवियों की बीते एक महीने में असमय मृत्यु हुई। आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम और बीएनएस के धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया। साथ ही पृथक से प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा रही है।

श्रम विभाग तैयार कर रहा है ठेका श्रमिक नियम में बदलाव

महिला से नाइट ड्यूटी कराई तो वाहन से घर तक सुरक्षित पहुंचाना होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में अगर कोई ठेकेदार किसी महिला कर्मी से नाईट ड्यूटी कराता है तो उसकी ये जिम्मेदारी होगी कि वह उस महिला को ड्यूटी के बाद सुरक्षित वाहन से उसके घर तक पहुंचाए। राज्य सरकार ने यह व्यवस्था लागू करने के लिए ठेका श्रमिकों के लिए बने नियम में बदलाव की तैयारी की है। इस नियम को लागू करने के पहले इससे प्रभावित होने वाले लोगों से सुझाव या आपत्ति बुलाई गई है।

श्रम विभाग कर रहा है ये काम

नियम में बदलाव कर नई व्यवस्था लागू करने के लिए राज्य सरकार का श्रम विभाग ठेका श्रमिक में संशोधन करने की तैयारी है। इस बारे में श्रम विभाग के नवा रायपुर स्थित कार्यालय में 30 दिनों में सुझाव लिए जाएंगे, आपत्तियों का निराकरण करने के बाद यह लागू किया जाएगा।

सुरक्षित घर तक पहुंचाना होगा

रात की पाली में काम करने वाली महिला कर्मियों को कार्यस्थल से उनके निवास तक सुरक्षित रूप से पहुंचाने के लिए सुरक्षागार्ड के साथ समुचित वाहन की व्यवस्था की जाएगी। पुलिस द्वारा सत्यापित वाहन, वाहन चालक एवं सुरक्षागार्ड का विवरण आदि की जानकारी भी रखी जाएगी। यह काम नियोजक के हिस्से का होगा।

रात्रि पाली की ड्यूटी के लिए अब होगी ये शर्त

यह नियम उन ठेकेदारों पर लागू होगा, जो ठेका श्रमिक नियम के अधीन पंजीकृत होते हैं। अगर ये किसी महिला कर्मी को रात 7 बजे से सुबह 6 बजे तक काम पर रखते हैं तो सबसे पहले इसके लिए महिला कर्मी की लिखित में सहमति लेनी होगी। यह सहमति एक लिखित प्रारूप में होगी। रात्रि पाली में कम से कम तीन महिला कर्मियों को एक साथ काम पर रखना होगा।

ये इंतजाम भी करना पड़ेगा

प्रत्येक ठेकेदार द्वारा दुकान, स्थापना में महिला कर्मियों के लिए अलग से मूत्रालय एवं शौचालय की व्यवस्था की जाएगी, जिसके दरवाजे में केवल अंदर की ओर से सुरक्षा सिटकनी की व्यवस्था होगी। किसी महिला कर्मकार को मातृत्व हितलाभ अधिनियम के अधीन मातृत्व हितलाभ प्रावधानों के विरुद्ध नियोजित नहीं किया जाएगा। प्रत्येक कार्यस्थल पर पर्याप्त प्रकाश, हवा के साथ-साथ स्वास्थ्य अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराया जाएगा। प्रत्येक कार्यस्थल, जहां कि कर्मकारों से लगातार खड़े होकर कार्य की अपेक्षा की जाती हो, वहां प्रत्येक कर्मकार के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था नियोजक द्वारा की जाएगी, जिससे कि कर्मकार नियत अंतराल में आवश्यकतानुरूप बैठ सके। प्रत्येक ठेकेदार, अग्नि से सुरक्षा संबंधी समुचित प्रावधान का पालन करेगा। कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न अधिनियम, जो स्थापनाओं पर लागू हो, के उपबंधों का अनुपालन किया जाएगा। शाम 7 बजे से प्रातः 6 बजे के मध्य किसी भी कारखाने या खतरनाक श्रेणी के कार्य में ठेकेदार द्वारा महिलाओं का नियोजन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

छत्तीसगढ़ में जल्द बनेगा धर्मांतरण के खिलाफ सख्त कानून

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

होली त्योहार के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का धर्मांतरण को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा है कि धर्मांतरण को रोकने के लिए जल्द ही कानून बनाया जाएगा। इसके लिए विधि विशेषज्ञ अध्ययन कर रहे हैं। इसमें थोड़ा समय लग सकता है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अपने गृहग्राम बगिया में होली त्योहार मनाएंगे। वे गुरुवार दोपहर में बगिया के लिए रवाना हो गए। उन्होंने प्रदेश की जनता को प्रदेशवासियों को रंगों और उल्लास के महापर्व होली की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने इस अवसर पर सभी नागरिकों के जीवन में सुख, समृद्धि, आनंद और परस्पर प्रेम की कामना की है। मुख्यमंत्री ने कहा, होली केवल रंगों का उत्सव नहीं, बल्कि यह हमारे जीवन में नई ऊर्जा और सकारात्मकता का संचार करने वाला पर्व है। यह त्योहार हमें सिखाता है कि जीवन में प्रेम, सौहार्द्र और भाईचारे का रंग सबसे अनमोल है।

- सीएम साय बगिया में मनाएंगे होली

होली भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग

मुख्यमंत्री ने कहा, होली का त्योहार सदियों से भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग रहा है, जहां भेदभाव मिट जाते हैं और लोग आपसी स्नेह, उल्लास तथा उमंग के रंगों में घुल-मिल जाते हैं। यह पर्व हमें बुराई पर अच्छाई की विजय, प्रेम की जीत और समाज में सौहार्द्र को और मजबूत करने का संदेश देता है। उन्होंने सभी प्रदेशवासियों से आग्रह किया कि हम सभी होली के पावन पर्व को प्रेम, सौहार्द्र और आनंद के साथ मनाएं, एक-दूसरे के जीवन में खुशियों के रंग भरें एवं छत्तीसगढ़ की समरसता तथा एकता को और अधिक सशक्त बनाएं।

शराब भट्ठी पर उमड़ी पियक्कड़ों की भीड़, एक दिन में बिक गई 15 करोड़ से अधिक की मदिरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

होली त्योहार के कारण शराब दुकानों पर पियक्कड़ों की भीड़ टूट पड़ी। सुबह से रात दुकान बंद होने तक शराब दुकानों में खरीदारों की लंबी कतार लगी रही। विभागीय सूत्रों के अनुसार, होलिका दहन के एक दिन पूर्व रायपुर जिले में करीब 15 करोड़ रुपए की शराब की खपत हुई। वहीं होलिका दहन के दिन 20 करोड़ रुपए के करीब शराब की बिक्री होने का अनुमान लगाया गया है। इस तरह दो दिन में 35 करोड़ रुपए की शराब जिले में बिकी है। इधर आबकारी विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बिक्री के वास्तविक आंकड़े त्योहार के बाद ही मिल पाएंगे। त्योहार के कारण शराब बिक्री का हिसाब-किताब हो नहीं पाया है।

तीन से चार गुना अधिक शराब बिकी : रायपुर शहर में सामान्य दिनों की तुलना में होली त्योहार के दौरान तीन से चार गुना अधिक शराब की बिक्री हुई है। सूत्रों की मानें तो शहर में दो दिन में 35 करोड़ से अधिक शराब की बिक्री हुई है। शहर के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी शराब दुकानों में पियक्कड़ों की दो दिन से भारी भीड़ उमड़ रही है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में भी दो दिन तीन से चार गुना शराब की बिक्री हुई है।

पेज 11 के शेष ...

मार्च में ही जमीन...

इस तरह की गिरावट आती थी। वैज्ञानिकों का कहना है कि इस बार जिस तेजी से भूजल स्तर में गिरावट आई है, इसे देखकर यह अनुमान लगाना गलत नहीं होगा कि गर्मी के पीक सीजन मई में भूजल स्तर 300 से 400 फीट नीचे तक जा सकता है।

भूजल का दोहन कर...

भूजल का दोहन किया जा रहा है। शहर के जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में भी तालाबों का गहरीकरण एवं नए तालाबों का निर्माण किया जा रहा है। वहीं इन तालाबों को भी बोर के पानी से भरा जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि के कार्य में सबसे ज्यादा पानी की खपत होती है। इस खपत की भरपाई भी भूजल का दोहन कर की जाती है। इसके लिए 3 एचपी से लेकर 10 एचपी पॉवर वाले पंप लगाए जाते हैं, जिससे काफी तेजी से जमीन से पानी की निकासी होती है। इस तरह ग्रामीण क्षेत्रों में शहर की तुलना में और ज्यादा तेजी से भूजल स्तर में गिरावट आ रही है, जो भविष्य के लिए बड़ी समस्या बन सकती है।

कार बनी नोट उगलने...

की है, जिसके चलते पुलिस ने कार से नोटों का जखीरा बरामद किया है। नोट जब्ती को लेकर आमानाका पुलिस का कहना है कि मामले की जांच आयकर अधिकारी कर रहे हैं। नोटों के स्त्रोत के बारे में पुलिस अफसर आयकर अफसरों द्वारा कुछ बता पाने की बात कही जा रही है। पुलिस के अनुसार, हवाला की जांच पुलिस नहीं करती, इस वजह से उन्हें इस संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं है। आयकर अफसरों से नोटों के स्त्रोत के बारे में जानकारी ली गई तो आयकर अफसर मामले की जांच जारी होने की बात कह रुपए के संबंध में कुछ भी बता पाने को लेकर असमर्थता जताई है। हर सप्ताह होता था हवाला : पुलिस ने भारत सिरीज की जिस कार को जब्त किया है। उक्त कार का उपयोग हवाला की रकम ट्रांसफर करने के लिए किया जाता था। पुलिस के अनुसार, उक्त कार से हर सप्ताह हवाला के माध्यम से पांच से दस करोड़ रुपए नागपुर पहुंचाए जा रहे थे। बस अथवा ट्रेन रूट से जाने पर पकड़े जाने का खतरा था। इस वजह से कार में विशेष प्रकार का चेंबर बनाकर हवाला के माध्यम से नागपुर रुपए भेजे जाते थे। रुपए अलग-अलग कारोबारी के या एक के, स्पष्ट नहीं : पुलिस ने जिन ड्राइवरों के कब्जे से पैसे जब्त किए हैं। उक्त रकम अलग-अलग कारोबारी से एकत्रित कर नागपुर हवाला के जरिए भेजी जा रही थी या फिर किसी एक कारोबारी की रकम है, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। रकम दिल्ली के किसी कारोबारी की बताई जा रही है। ऐसे में दिल्ली के कारोबारी का रायपुर में किस तरह का कनेक्शन है। इस पर संशय की स्थिति बनी हुई है।

निधन — प्रदीप शेष

रायपुर। रायपुर निवासी प्रदीप रामकृष्ण शेष का 13 मार्च को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे स्व. रामकृष्ण शेष के पुत्र, प्रकाश, श्याम व राजेंद्र शेष के भाई और समीर, नवीन शेष के पिता थे।

रायपुर से जबलपुर, इंदौर हैदराबाद और जयपुर के लिए नई ट्रेनों की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में रेलवे की 2,731 किलोमीटर लंबाई की 25 परियोजनाओं पर 37,018 करोड़ रुपए की कार्ययोजना व निर्माण प्रक्रिया में है, जिनमें से 882 किलोमीटर कार्य पूरा किया जा चुका है। यह जानकारी रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के छत्तीसगढ़ में रेलवे के विकास कार्यों को लेकर किए गए प्रश्न के जवाब में दी।

- छत्तीसगढ़ को जल्द ही अधिक रेल सेवाओं का लाभ मिलेगा : बृजमोहन

श्री अग्रवाल ने रेलमंत्री से पिछले पांच वर्षों में छत्तीसगढ़ में स्वीकृत रेलवे परियोजनाओं, उनके कार्यान्वयन की स्थिति, लंबित परियोजनाओं के कारणों और नई रेलगाड़ियों की संभावनाओं पर विस्तृत जानकारी मांगी। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, वर्ष 2009-14 की तुलना में 2014-24 के दौरान नई रेल पटरियों की कमीशनिंग 15 गुना बढ़ी है। वर्ष 2009-14 में सिर्फ 32 किमी. रेललाइन बिछाई गई थी, जबकि 2014-24 में 999 किलोमीटर रेललाइन चालू की गई। रेलवे बजट आवंटन भी वर्ष 2009-14 में 311 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष से 2024-25 में बढ़कर 6922 करोड़ रुपए हो गया है, जो 22 गुना वृद्धि दर्शाता है।

श्री अग्रवाल के सवाल पर मंत्री ने बताया, रेलवे परियोजनाओं की प्रगति भूमि अधिग्रहण, वन स्वीकृतियों, राज्य सरकार की लागत भागीदारी, जनोपयोगी सेवाओं के स्थानांतरण, कानूनी और जलवायु परिस्थितियों जैसी कई बाधाओं पर निर्भर करती है। रेलवे मंत्रालय द्वारा परियोजनाओं की प्राथमिकता तय करने, बजट आवंटन बढ़ाने, निगरानी तेज करने और राज्य सरकारों के साथ समन्वय स्थापित करने जैसे कदम उठाए गए हैं, जिससे रेलवे विकास की गति को तेज किया जा सके। श्री अग्रवाल ने रायपुर से जबलपुर, इंदौर, हैदराबाद और जयपुर के लिए नई रेलगाड़ियों की मांग की है।

एक सूत्रीय मांग के संबंध में पत्र सौंपेंगे

स्कूल सफाई कर्मचारी करेंगे सरगुजा से जशपुर तक पदयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेशभर के स्कूलों में कार्यरत 43301 स्कूल सफाई कर्मचारी अंशकालीन से पूर्णकालीन करने की मांग को लेकर पदयात्रा निकालेंगे। यह पदयात्रा सरगुजा से जशपुर तक होगी, जिसमें बड़ी संख्या में स्कूल सफाई कर्मचारी भाग लेंगे। कर्मचारी पैदल मार्च कर जशपुर जिले के बगिया स्थित सीएम निवास पहुंचकर अपनी लंबित मांग के संबंध में पत्र सौंपेंगे। होली त्योहार के बाद यह पदयात्रा निकाली जाएगी।

- प्रदेशभर में 43 हजार स्कूल सफाई कर्मचारी, अंशकालीन से पूर्णकालिक कर्मचारी बनाने की मांग

दरअसल छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में पिछले 15 सालों से कार्य कर रहे 43301 अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारियों को प्रतिमाह 3 हजार से 3400 रुपए तक मानदेय दिया जाता है, जो कि महंगाई के दौर में काफी कम है। स्कूल सफाई कर्मचारियों का कहना है कि प्रदेश के 90 फीसदी स्कूलों में भृत्य और चपरासी के पद रिक्त होने के कारण सभी काम स्कूल सफाई कर्मचारियों से लिए जाते हैं। इसके कारण पूरा दिन स्कूलों में व्यतीत हो जाता है। छत्तीसगढ़ अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारी संघ की मांग है कि उन्हें अंशकालीन की जगह पूर्णकालीन कर्मचारी का दर्जा देकर कलेक्टर दर पर वेतन भुगतान किया जाए।

स्कूल सफाई कर्मचारी संघ के मीडिया प्रभारी प्रदीप वर्मा ने बताया कि साल 2023 विधानसभा चुनाव के पूर्व स्कूल सफाई कर्मचारी संघ को जशपुर जिले के ग्राम बगिया में कार्यक्रम के दौरान विष्णुदेव साय और गोमती साय ने आश्वस्त किया था कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने पर संघ की मांग को पूर्ण किया जाएगा, पर 18 माह बीतने के बाद भी प्रदेश के अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारियों की मांग पूरी नहीं हुई। राज्य के बजट में भी संघ के कर्मचारियों को उम्मीद रही कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा उनकी लंबित मांग पर गौर किया जाएगा। मांग पूरी नहीं होने से स्कूल सफाई कर्मचारियों में नाराजगी व्याप्त है।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने होंगे बाध्य

9 मार्च को राजधानी रायपुर के कलेक्टोरेट गार्डन में अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारियों की प्रदेश स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया कि प्रदेशभर के अंशकालीन स्कूल सफाई कर्मचारी सरगुजा से पैदल मार्च करते हुए जशपुर के बगिया सीएम हाउस जाकर मांग के संबंध में पत्र सौंपेंगे। मांग पूरी नहीं होने पर जून माह में स्कूल खुलने से पहले अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने बाध्य होंगे।

खबर संक्षेप

एमएससी केमेस्ट्री में 56% छात्र फेल

रायपुर। पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा बुधवार को एमएससी केमेस्ट्री सहित चार सेमेस्टर परीक्षाओं के परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इनमें सर्वाधिक छात्र संख्या वाला विषय एमएससी केमेस्ट्री प्रथम सेमेस्टर रहा है। इसकी परीक्षा में 493 छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 218 अर्थात 44.22% ही उत्तीर्ण हो सके हैं। शेष 275 छात्रों को एटीकेटी श्रेणी में रखा गया है। इसके अलावा एमएससी माइक्रोबॉयोलॉजी प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल 4 में से 2 छात्र उत्तीर्ण व 2 एटीकेटी श्रेणी में रहे। एमटेक इन ऑप्टो इलेक्ट्रिक में शामिल दोनों विद्यार्थी उत्तीर्ण रहे। बीफॉर्मा ओल्ड कोर्स आठवें सेमेस्टर की परीक्षा में शामिल एकमात्र विद्यार्थी के परिणाम रोके गए हैं।

महापौर ने नगरवासियों को दी होली की शुभकामनाएं

रायपुर। महापौर मीनल चौबे ने राजधानी वासियों को होलिकादहन और रंगों के त्योहार होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी है। होली पर्व पर पालतू मवेशी पर रंग-गुलाल न डालने की अपील की है। उन्होंने शहर को सुंदर व स्वच्छ बनाये लोगों से आग्रह किया है।

संपत्ति विरूपण, पांच संस्था पर जुर्माना

रायपुर। नगर निवेश विभाग द्वारा शासकीय संपत्ति में संपत्ति विरूपण किये जाने पर 5 संस्थानों को नोटिस देकर 45 हजार रुपये जुर्माना किया गया। जोन 3 नगर निवेश विभाग ने कचना स्थित अविनाश ग्रुप के चितवन प्रोजेक्ट का प्रचार किये जाने पर 5 हजार जुर्माना संबंधित विज्ञापनकर्ता पर किया है। इसी तरह महादेवघाट स्थित कृष्णा साल्वम के संचालक पर जोन 4 के तहत मालवीय रोड, कालीबाड़ी मार्ग में संपत्ति विरूपण करने पर 10 हजार रुपये, मेसर्स सांई कोचिंग संचालक हेमंत सिन्हा पर कालीबाड़ी मार्ग व अन्य स्थानों पर शासकीय संपत्ति विरूपण करने पर 10 हजार जुर्माना किया गया।

खुले स्थानों पर डाल रहे मलबा, निगरानी का सिस्टम फेल, केंद्रीय टीम की रहेगी नजर

- वार्डों में मलबा एकत्रित करने बनाए कलेक्शन सेंटर
- नगर निवेश के इंजीनियरों को निगरानी का जिम्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

वार्डों में मलबा एकत्रित करने नगर निगम द्वारा बनाए गए कलेक्शन सेंटर की निगरानी नहीं होने से शहर में निर्माण और तोड़फोड़ के दौरान निकलने वाला मलबा सड़क पर खुले में फेंका जा रहा है। इससे आम जनता को जहां आवागमन में परेशानी उठानी पड़ रही है, वहीं बेतरतीब बिखरे मलबे से धूल और वायु प्रदूषण का खतरा बढ़ा है, जबकि निगम प्रशासन ने अलग-अलग वार्डों में बनाए गए मलबा कलेक्शन सेंटर के निगरानी की जिम्मेदारी नगर निवेश विभाग के इंजीनियर को दी है। साथ ही संबंधित जोन के जोन कमिश्नरों को नियम आयुक्त निर्देशित भी कर रहे हैं। अगर यही हाल रहा तो स्वच्छता सर्वेक्षण में केंद्रीय टीम के सामने फजीहत होते देर नहीं लगेगी। दरअसल शहर में निर्माण और तोड़फोड़ कार्य के दौरान उत्पन्न होने वाले मलबे को सड़क पर एकत्रित करने की जगह अब एक निश्चित जगह संग्रहित करने निगम प्रशासन ने वार्डवार मलबा कलेक्शन सेंटर बनाया है। कलेक्शन सेंटर के अलावा किसी भी अन्य स्थान पर मलबा फेंकने वालों पर जुर्माना लगाया जाएगा, ताकि खुले में मलबा फेंकने की प्रवृत्ति पर रोक लगे। मलबा कलेक्शन सेंटर में एकत्र निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट को हीरापुर के प्रसंस्करण यूनिट में परिवहन कर फिर से उपयोग लायक बनाया जाए।

मलबा कलेक्शन के लिए इन जगहों पर बनाए गए सेंटर

- माधवराव सप्रे वार्ड-लिमही तालाब के पास साहू समाज भवन के समीप इंद्रप्रस्थ रोड रायपुरा
- भक्त कर्मा माता वार्ड- पीएस सिटी, विनायक सिटी के पास
- कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड- दलदल सिवनी इंदिरा स्मृति वन के बाजू में, सड्डू अवीवा उद्यान के सामने वाली जगह।
- तात्यापारा वार्ड - नेमीचंद गली, अग्रसेन चौक के पास भैंसथान मैदान
- बालगंगाधर तिलक वार्ड - जनता कॉलोनी पानी टंकी के पास
- मनमोहन सिंह बक्शी वार्ड - जनता कॉलोनी पानी टंकी के पास
- संत रामदास वार्ड दिशा कॉलेज के पास रामनगर मुक्तिधाम कृष्णा नगर
- बाबू जगजीवन राम वार्ड - देवपुरी बस्ती, महात्मा गांधी नगर नाला महावीर नगर अमलीडीह
- कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड - डूंडा स्कूल के पास
- पं. विद्याचरण शुक्ल वार्ड - वीआईपी रोड फुंडहर गोठान के पास, राजीव स्मृति वन के पीछे
- मोरेश्वर राव गद्दे वार्ड - संतोषी नगर चौक से तरूण बाजार चौक, त्रिमूर्ति मंदिर के पास, दुर्गा मंदिर के आगे मठपुरैना
- श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड - रावतपुरा फेस 1 सामुदायिक भवन रोड शासकीय स्कूल के पास पानी टंकी मठपुरैना
- चंद्रशेखर आजाद वार्ड - चौरसिया कॉलोनी गोठान के पास
- ठाकुर प्यारेलाल वार्ड - सीएसईबी कॉलोनी डगनिया पानी टंकी शासकीय स्कूल के पास
- रानी लक्ष्मीबाई वार्ड - अशोका रतन पाम ब्लाजियो के सामने, शंकर नगर अशोका रतन रोड
- यतियतन लाल वार्ड - भनपुरी रोड बेस्ट प्राइज शॉपिंग मॉल भनपुरी गोठान

भारतमाला घोटाले की सीबीआई जांच की मांग : रायपुर। आम आदमी पार्टी ने भारतमाला परियोजना की सीबीआई जांच की मांग की है। आप के प्रदेशाध्यक्ष गोपाल साहू ने भारतमाला परियोजना में हुई गड़बड़ी पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ है। उनका कहना है कि अधिसूचना जारी होने के बाद रकबे के टुकड़े किए गए। लगभग 43 करोड़ 19 लाख का आर्थिक नुकसान केंद्र सरकार को हुआ। मामले में अधिकारियों को सस्पेंड किया गया है, जो नाकाफी है। इस भ्रष्टाचार की जांच सीबीआई से करानी चाहिए।

बढ़ती खपत के कारण अब दूसरे राज्यों से भी ले रहे पांच सौ मेगावाट बिजली

सेंट्रल सेक्टर पर अब निर्भरता घटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गर्मी ने अभी अपने तेवर पूरे नहीं दिखाए हैं, लेकिन बिजली में डिमांड की गर्मी अभी से दिखने लगी है। मार्च में बिजली की खपत पहली बार 62 सौ मेगावाट के पार हो गई है। इस समय पीकऑवर में खपत छह हजार मेगावाट से ज्यादा हो रही है। ऐसे में बिजली की आपूर्ति के लिए सेंट्रल सेक्टर से तो बिजली मिल ही जाती है, लेकिन सेंट्रल सेक्टर से पॉवर कंपनी का शेयर साढ़े तीन हजार मेगावाट ही है। ऐसे में अब सेंट्रल सेक्टर पर निर्भरता कम करने के लिए दूसरे राज्यों के बैंकिंग में पांच सौ मेगावाट से ज्यादा बिजली ली जा रही है। ऐसे में अब सेंट्रल सेक्टर से कम बिजली लेनी पड़ रही है।

गर्मी अब कब प्रारंभ हो जाए, कहा नहीं जा सकता है। बीते साल गर्मी ने फरवरी से तेवर दिखाए थे, लेकिन इस बार तो गर्मी जनवरी से ही पड़ने लगी। इसके बाद पहले फरवरी और अब मार्च में पारा और चढ़ने लगा है। पारा चढ़ने के कारण बिजली की खपत का भी पारा लगातार चढ़ रहा है। गर्मी बढ़ने के कारण अभी से प्रदेश भर में एसी और कूलर चलने लगे हैं। इसी के साथ कृषि पंप भी चलने के कारण खपत का ग्रॉफ लगातार बढ़ रहा है।

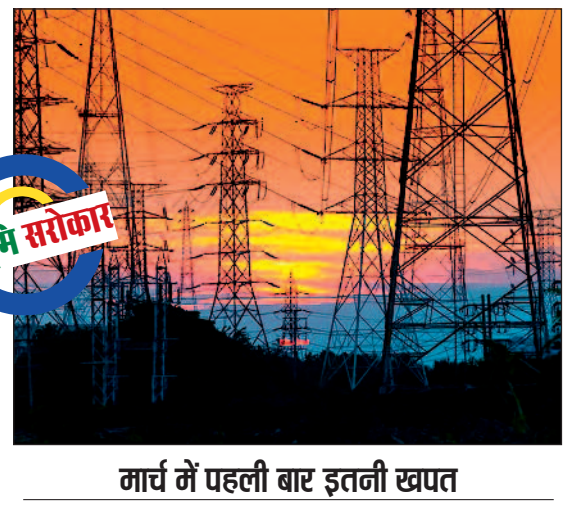

मार्च में पहली बार इतनी खपत

फरवरी और मार्च में आमतौर पर बिजली की खपत इतनी नहीं रहती है। कृषि पंपों के कारण फरवरी में खपत पांच हजार मेगावाट के पार जरूर हो जाती है, लेकिन इस बार फरवरी में ही खपत छह हजार मेगावाट गई है। पॉवर कंपनी के अधिकारियों के मुताबिक पहली बार फरवरी में इतनी ज्यादा खपत देखने को मिली। इसके बाद अब मार्च में खपत का ग्राफ और बढ़ गया है। इस समय खपत 62 सौ मेगावाट के पार हो गई है। मार्च में ही और नया रिकॉर्ड बनने की संभावना है।

अपना उत्पादन 25 सौ मेगावाट

पॉवर कंपनी के अपने संयंत्रों की उत्पादन क्षमता 2960 मेगावाट है। लेकिन कभी भी उत्पादन सौ फीसदी नहीं होता है। सभी संयंत्रों के चलने पर अपना उत्पादन 25 से 26 सौ मेगावाट तक होता है। इस समय सभी संयंत्रों के चलने के कारण अपना उत्पादन 25 सौ मेगावाट हो रहा है। इसी के साथ दूसरे राज्यों से पांच सौ मेगावाट बिजली लेने के कारण तीन हजार मेगावाट बिजली हो जा रही है। खपत के हिसाब से बाकी बिजली सेंट्रल सेक्टर से ली जा रही है। पॉवर कंपनी के पास तीन हजार मेगावाट बिजली होने के कारण खपत 65 सौ भी जाने पर आसानी से सेंट्रल सेक्टर से साढ़े तीन हजार मेगावाट बिजली मिल जाएगी।

किसानों को बेचे गए बीज के 205 सैंपल लिए, जांच के लिए 140 लैब भेजे, इनमें 15 मिले अमानक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कृषि विभाग रायपुर ने रबी सीजन के दौरान किसानों को बेचे गए बीज, उर्वरक, पौध एवं जैव के लिए गए सैंपल में 15 अमानक पाए गए।

इनमें बीज के 4, पौध के 2 तथा उर्वरक एवं जैव के 4-4 सैंपल हैं। विभाग द्वारा रबी सीजन में कुल 204 सैंपल लिए गए थे, जिनमें 140 सैंपलों को जांच के लिए लैब भेजा गया था। इस जांच में 189 सैंपल मानक पाए गए हैं, वहीं 15 अमानक मिले।

3 बीजों के लॉट की बिक्री पर रोक

लैब में जांच के दौरान कुल 15 सैंपल अमानक मिले। इनमें बीज और उर्वरक के अमानक सैंपल मिलने पर कृषि विभाग ने इन दोनों बीज से संबंधित लाट की बिक्री पर भी तत्काल रोक लगा दी गई थी। इसके साथ ही अमानक मिले सैंपल पर संबंधित केंद्रों पर नियमानुसार कार्रवाई भी की गई।

मानक-अमानक-लंबित सैंपल के आकड़े

	कुल सैंपल	मानक सैंपल	अमानक सैंपल	लंबित
बीज	57	52	5	0
पौध	64	13	2	49
उर्वरक	52	48	4	0
जैविक खाद	31	27	4	0

3 लॉट पर लगाई रोक

जांच में जितने सैंपल अमानक मिले हैं, उनमें 3 सैंपल के लाट की बिक्री पर रोक लगा दी गई है। इस मामले में नोटिस जारी किया गया है।

- **आरके कश्यप**, डीडीए, कृषि विभाग रायपुर

सैंपल लेने का लक्ष्य पूरा नहीं

कृषि विभाग ने रबी सीजन में बीज में 65 सैंपल लेने का लक्ष्य निर्धारित किया था। इसकी तुलना में 57 सैंपल लिए गए। इसी प्रकार पौध के 77 सैंपल के एवज में 64 एवं उर्वरक के 55 में 52 सैंपल लिए गए। इस तरह इन तीनों में सैंपल लक्ष्य से कम लिए गए। हालांकि जैव के लक्ष्य से अधिक सैंपल लिए गए। जैव के 25 सैंपल लिए जाने थे, पर 31 लिए गए हैं।

खबर संक्षेप

शादी का झांसा देकर युवती से रेप, की मारपीट

रायपुर। राजेंद्र नगर थाने में एक युवती ने एक युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर रेप करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अमलीडीह निवासी युवती ने रंजन कुमार साहू के खिलाफ रेप की शिकायत दर्ज कराई है। युवती ने पुलिस को बताया कि रंजन ने उससे शादी करने का झांसा देकर रेप को अंजाम दिया। शादी करने दबाव बनाने पर रंजन ने युवती से शादी से इंकार कर दिया और उसके साथ मारपीट की।

मजदूर को भड़काने का आरोप लगाकर मारपीट

रायपुर। तेलीबांधा थाने में एक युवक ने दूसरे युवक के खिलाफ मजदूर को भड़काने का आरोप लगाकर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। खम्हारडीह निवासी अंश माधिका ने जितेंद्र कुमार शर्मा के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। अंश ने पुलिस को बताया कि जितेंद्र ने उस पर मजदूरों को भड़काने का आरोप लगाकर मारपीट की है।

पुरानी रंजिश के चलते दो पक्ष भिड़े, केस दर्ज

रायपुर। टिकरापारा थाने में दो पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ पुरानी रंजिश के चलते मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। सुदामा नगर निवासी कुंती मरकाम ने प्रमिका, रेणुका, राधा तथा नागेश मरकाम के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। कुंती ने पुलिस को बताया कि पुरानी रंजिश के चलते चारों ने उसके साथ विवाद करते हुए मारपीट की। दूसरे पक्ष के लोगों ने कुंती तथा अन्य के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है।

कार किराए पर लेकर की अमानत में खयानत

रायपुर। सरस्वती नगर थाने में एक व्यक्ति ने दूसरे व्यक्ति के खिलाफ कार किराए पर लेकर वापस नहीं कर अमानत में खयानत करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सुंदर नगर निवासी अनूप तिवारी ने आमिर मिर्जा बेग के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

किसान आत्महत्या, कांग्रेस ने बनाई जांच समिति

रायपुर। महासमुंद जिले के ग्राम सिंघनपुर (झलप) में किसान पूरण निषाद की आत्महत्या के पीछे कारणों की जांच के लिए कांग्रेस ने पांच सदस्यीय जांच समिति का गठन किया है। समिति के संयोजक खल्लारी विधायक द्वारिकाधीश नियुक्त किए गए हैं। छत्तीसगढ़ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज द्वारा गठित समिति में बतौर सदस्य पूर्व विधायक विनोद चंद्राकर, पीसीसी पूर्व महामंत्री अमरजीत चावला, महासमुंद जिला अध्यक्ष रश्मि चंद्राकर, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष अंकित बागबाहरा नियुक्त किए गए हैं।

संवेदनशील जगहों की ड्रोन से होगी निगरानी

होली में हुड़दंग की आशंका, सौ से ज्यादा बदमाश जेल दाखिल, पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

होली को बदरंग करने वाले बदमाशों की पहचान कर पुलिस उनके खिलाफ पिछले तीन दिनों से कार्रवाई कर रही है। होली में जिन लोगों द्वारा उपद्रव करने की आशंका है। ऐसे लोगों की पहचान कर पुलिस ने उनके खिलाफ अलग-अलग धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए जेल दाखिल किया है। साथ ही होली में किसी भी प्रकार का हुड़दंग रोकने शहर के 60 स्थानों पर फिक्स पाइंट बनाकर गुरुवार से जांच तेज कर दी है। बदमाशों को मैसेज देने पुलिस ने फ्लैग मार्च निकाला। इसमें पुलिस अफसर भी शामिल हुए।

एएसपी सिटी लखन पटले के मुताबिक, होली में किसी तरह की कानून व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो, इसे ध्यान में रखते हुए शहर में एक हजार पुलिस जवानों की होली के दिन तैनाती रहेगी। बदमाशों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। बदमाशों की पहचान कर जेल भेजने की कार्रवाई लगातार जारी है। पुलिस कार्रवाई से घबराकर कई बदमाश भूमिगत हो गए हैं।

सोशल मीडिया पर निगरानी

एएसपी सिटी के मुताबिक, होली के मौके पर सोशल मीडिया में कोई ऊलजुलूल पोस्ट न करे, इसकी भी निगरानी की जा रही है। इसके अलावा इंस्टग्राम पर होली को लेकर फूहड़ पोस्ट करने वालों की पहचान कर उन्हें साइबर थाने बुलाकर समझाइश दी गई। साथ ही उनकी पोस्ट के साथ अकाउंट डीलीट कराए गए।

जांच के लिए 60 चेकिंग पाइंट बनाए गए

नशे की हालत में वाहन चलाते मिले तो गाड़ी होगी जब्त

होली में नशे की हालत में वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्ती से निपटने एसएसपी डॉ. लाल उमेंद सिंह ने निर्देश दिए हैं। होली में जो भी वाहन चालक नशे की हालत में वाहन चलाते पकड़े जाएंगे। उनके वाहन जब्त करने के एसएसपी ने निर्देश दिए हैं। साथ ही जब्त वाहनों को सोमवार से पहले कोर्ट में पेश नहीं करने कहा गया है।

संवेदनशील जगहों पर ड्रोन से रखेंगे नजर

होली के दिन जहां ज्यादा भीड़ रहेगी, उन स्थानों के अलावा संवेदनशील जगहों की ड्रोन से निगरानी कराने की व्यवस्था की गई है। ड्रोन की संख्या को लेकर एएसपी का कहना है कि जरूरत के हिसाब से ड्रोन की व्यवस्था की जाएगी। ड्रोन के साथ ही पुलिस कैमरे के माध्यम से होली में आयोजित अलग-अलग जगहों के कार्यक्रमों पर नजर रखेगी।

60 से ज्यादा फिक्स पाइंट बनाकर जांच

होली में वाहन चालकों की जांच के लिए शहर के अलग-अलग इलाकों में 60 के करीब चेकिंग पाइंट बनाए गए हैं। महत्वपूर्ण चेकिंग पाइंट पर टीआई की ड्यूटी रहेगी। इन पाइंट पर थानों के अलावा पुलिस लाइन के जवानों की ड्यूटी लगाई जाएगी। इसके अलावा राजपत्रित पुलिस अफसरों की अलग से पेट्रोलिंग पार्टी शहर में गश्त करेगी।

पांच सौ जवानों ने निकाला फ्लैग मार्च

एसएसपी डॉ. लाल उमेंद सिंह के मुताबिक, जिले के सभी थानों से आए पांच सौ पुलिसकर्मियों के साथ ही राजपत्रित पुलिस अफसरों ने पुलिस लाइन में जवानों की ब्रीफिंग ली। इसके बाद फ्लैग मार्च कर जवान जयस्तंभ चौक पहुंचे। जहां दो पार्ट में बंटकर पूर्व तथा पश्चिम दिशा की ओर फ्लैग मार्च करने निकले। इस दौरान पुलिस ने शहरवासियों से शांतिपूर्ण तरीके से होली मनाने की अपील की।

फर्जी आईडी से 19 लाख की ठगी, फेक अकाउंट बनाकर दिया झांसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कंपनी की मिलती जुलती ई-मेल आईडी बनाकर 19 लाख रुपए ठगी करने के मामले में एक अनाज तथा स्टील कारोबारी ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ आजाद चौक थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कारोबारी को अपने साथ ठगी की जानकारी तब मिली, जब उसके पास कंपनी प्रबंधन ने रकम नहीं मिलने की शिकायत की। कारोबारी की शिकायत दर्ज कर पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

- कारोबारी ने अज्ञात जालसाज के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराई

समता कॉलोनी स्थित आर्यन राइस इंडस्ट्रीज की ओर से नारायण लाटा ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। नारायण ने पुलिस को बताया कि रायगढ़ स्थित नलवा स्टील एंड पॉवर लिमिटेड से आर्यन राइस इंडस्ट्रीज का सौदा तय हुआ था। सौदा तय होने के बाद 10 मार्च को नारायण के मेल आईडी में पैसा भेजने गुलशन डॉट प्रजापति एट द रेट नलवा डॉट कॉम से ई-मेल आया। ई-मेल के आधार पर नारायण ने 19 लाख रुपए आरटीजीएस कर दिए। रकम ट्रांसफर करने के दूसरे दिन नलवा स्टील प्रबंधन ने पैसे नहीं मिलने की शिकायत की। जांच करने पर ई-मेल अकाउंट फर्जी पाया गया, जिसके अकाउंट में रकम ट्रांसफर की गई है। वह अकाउंट जमशेर खान के नाम से है।

शराब खरीदने गए युवक के साथ मारपीट

रायपुर। खमतराई थाने में एक युवक ने शराब दुकान के सेल्समैन तथा उसके साथियों के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। बेमेतरा निवासी टोपेश्वर साहू ने श्याम सुंदर तथा उसके तीन अन्य साथियों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। टोपेश्वर ने पुलिस को बताया है कि वह मेटल पार्क स्थित शराब दुकान में शराब खरीदी करने लाइन में लगा था। उसकी बारी आने पर शराब दुकान के सेल्समैन श्याम सुंदर ने उसे शराब नहीं देने की बात कहते हुए गाली-गलौज की। विरोध करने पर शराब दुकान के सेल्समैन ने अपने साथियों के साथ मिलकर टोपेश्वर के साथ मारपीट की।

बिहार से रेस्क्यू 42 बच्चे रायपुर लाए गए, पुलिस-सीडब्लूसी की टीम करेगी पूछताछ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बिहार के रोहतास जिले के रेड लाइट एरिया से रेस्क्यू की गई बच्चियों को लेकर पुलिस टीम होली के एक दिन पूर्व गुरुवार को रायपुर लेकर पहुंची। सभी को सड़क मार्ग से लाया गया। बच्चों के आने की उनके परिजनों को सूचना दे दी गई है। जिन बच्चों को रेस्क्यू कर लाया गया है, उनमें तीन लड़के तथा 39 लड़कियां शामिल हैं।

एसएसपी डॉ. लाल उमेंद सिंह के मुताबिकख बच्चों को रेस्क्यू कर लाने के बाद सीडब्ल्यूसी को सौंपा जाएगा। साथ ही बच्चों से पुलिस के अफसर सादी वर्दी में अलग से पूछताछ करेंगे। पुलिस की पूछताछ के बाद सीडब्ल्यूसी के अफसर पूछताछ करेंगे। जरूरत पड़ने पर बच्चों की काउंसिलिंग कराई जाएगी। साथ ही बच्चों को बहला-फुसलाकर ले जाने वालों के बारे में जानकारी जुटाकर उनके खिलाफ मानव तस्करी का मामला दर्ज कर पुलिस कार्रवाई करेगी।

- रेस्क्यू किए गए बच्चों में तीन लड़के 39 लड़कियां शामिल

परिजनों के खिलाफ भी हो सकती है कार्रवाई

नाच-गाने या देह व्यापार से जुड़े लोगों को बेचे जाने की पुष्टि होने पर, परिजनों की संलिप्तता पाए जाने पर पुलिस कार्रवाई उन पर भी कार्रवाई करेगी। इसके अलावा पुलिस बच्चों की मदद से राज्य में मानव तस्करी करने वालों के संबंध में जानकारी जुटाकर उन पर शिकंजा कसेगी।

बालिका गृह में रखने की व्यवस्था की जाएगी

सीडब्ल्यूसी के अफसर बच्चों के परिजनों से बात करेंगे। परिजनों की बात से संतुष्ट होने के बाद बच्चों को उनके सुपुर्द किया जाएगा। अन्यथा बच्चों को बालिका गृह में रखने की व्यवस्था की जाएगी। परिजन अपने बच्चों को दोबारा नाच-गाने तथा देह व्यापार में नहीं भेजें, इसके लिए परिजनों की काउंसिलिंग की जाएगी।

वन विभाग का 'वनतारा' प्रेम बायसन गिफ्ट किया, बदले में मिली सिर्फ डिजीटल एक्सरे मशीन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गुजरात में अनंत अंबानी के वनतारा का अधिकृत तौर पर उद्घाटन हुए अभी कुछ ही दिन हुए हैं और इधर छत्तीसगढ़ वन विभाग का उसके प्रति प्रेम चरम पर पहुंच गया है। यही वजह है कि वनतारा को वन्यजीवों से गुलजार करने छत्तीसगढ़ वन विभाग के अफसर दिल खोलकर वन्यजीव देने के लिए तैयार बैठे हैं। वनतारा को विभाग जेब्रा, मीरकैट के बदले जंगल सफारी रेयर प्रजाति के वन्यजीव सफेद भालू देने को राजी हो गया। इसके पूर्व कानन पेंडारी जू से एक वर्ष पूर्व वनतारा को तीन बायसन गिफ्ट के रूप में दिए जा चुके हैं। इसके बदले विभाग को एक्सरे मशीन ही मिल सकी है।

दरअसल वनतारा प्रबंधन ने सीजेडए से अनुमति लेकर कानन पेंडारी जू से तीन बायसन देने अनुमति प्राप्त की। कानन पेंडारी प्रबंधन सीजेडए की अनुमति देख बगैर किसी विरोध के वनतारा प्रबंधन को तीन बायसन देने के लिए राजी हो गया।

- एक वर्ष पूर्व तीन बायसन वनतारा को कानन-पेंडारी जू ने गिफ्ट किए थे
- सफेद भालू देने का मामला सामने आने के बाद भालू शिफ्टिंग का मामला अटका

बायसन के बदले मिली एक्सरे मशीन

बायसन देने के तीन माह बाद वनतारा प्रबंधन ने कानन पेंडारी को बायसन के बदले एडवांस टेक्नालॉजी के पोर्टेबल डिजीटल एक्सरे मशीन दी। उक्त एक्सरे मशीन को कानन पेंडारी प्रबंधन वनतारा से गिफ्ट मिलना बता रहे हैं। इसे लेकर वन्यजीव प्रेमी प्रश्नचिन्ह खड़े कर रहे हैं। जिस बायसन को वनतारा जू को गिफ्ट किया गया है, उक्त बायसन को कानन पेंडारी प्रबंधन वर्ष 2017 में हैदराबाद जू से लेकर आया था। इस संबंध में कानन पेंडारी प्रबंधन का तर्क है कि उनके जू में बायसन की संख्या अधिक हो गई थी। इस वजह से उन लोगों ने वनतारा प्रबंधन द्वारा मांगे जाने पर बायसन गिफ्ट किया है।

तीन साल बाद ठेलों और फुटपाथ पर लौटी लहसुन, दाम 80 से 100 रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

लहसुन के दाम में लंबे समय बाद अब राहत का तड़का लगा है। तीन साल बाद एक बार फिर से राजधानी के फुटपाथ और ठेलों पर लहुसन बेचने वाले नजर आ रहे हैं। तीन साल पहले जब लहसुन के दाम बहुत ज्यादा कम थे, तब फुटपाथ और ठेलों पर लहसुन 50 रुपए में डेढ़ किलो बिक रही थी, इस समय तीन साल पहले जितनी कीमत तो कम नहीं है, लेकिन बीते दो साल से जिस तरह से लहसुन के दाम आसमान छू रहे हैं, उससे कीमत बहुत कम है।

इस समय फुटपाथ और ठेलों पर लहसुन चिल्हर में 80 से 100 रुपए में मिल रही है। 80 रुपए में जहां छोटी साइज है, वहीं 100 रुपए में बड़ी साइज की लहसुन मिल रही है। बीते साल ही दिसंबर में कीमत 400 रुपए किलो थी, लेकिन अब नई फसल आने से दो साल बाद लहसुन वापस पुरानी कीमत पर लौटी है। दो साल पहले लहसुन की कीमत 25 से 30 रुपए पाव और 100 रुपए किलो थी। महंगाई से आम आदमी परेशान है। लगातार महंगाई बढ़ रही है, ऐसे में अगर किसी सामान की कीमत कम होती है तो आम आदमी को राहत महसूस होती है। हालांकि आमतौर पर महंगे सामान की कीमत इतनी जल्दी कम नहीं होती है। कीमत कम होने के बाद कब इसमें मुनाफाखोरी के कारण कीमत में इजाफा कर दिया जाए, कहा नहीं जा सकता। कारोबारी मुनाफाखोरी से बाज नहीं आते।

- लहसुन की बीते साल ही कीमत 400 से 500 रुपए रही है चिल्हर में

वापस पुरानी कीमत पर लौटी लहसुन

लहसुन की कीमत बीते दो साल तक 400 रुपए से लेकर 500 रुपए किलो रही है। बीते साल भी कीमत चिल्हर में 500 रुपए तक गई थी। थोक में इसकी कीमत चार सौ रुपए तक रही है। बीते साल दिसंबर से कीमत कम होने लगी थी, लेकिन चिल्हर में इसकी कीमत कम नहीं हो रही थी। अब नए साल में चिल्हर में भी कीमत बहुत कम हो गई है, क्योंकि लहसुन की नई फसल आने के बाद इसकी आवक भी ज्यादा हो रही है। पहले जनवरी में इसकी कीमत दो सौ रुपए हुई और अब फरवरी में इसकी कीमत पहले जैसी हो गई है। अब मार्च में तो कीमत और कम हो गई है। इस समय थोक में छोटी साइज की लहसुन के दाम 50 से 60 रुपए हैं। इसी के साथ बड़ी साइज की लहसुन थोक में 80 रुपए में मिल रही है। जहां तक चिल्हर का सवाल है तो यह किलो में 80 से 100 रुपए में मिल रही है। एक पाव लेने पर इसके 25 से 30 रुपए लग रहे हैं।

रविदास समाज को महिला सामुदायिक भवन निर्माण के लिए दिए 10 लाख

रायपुर। 9 मार्च को अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पर रविदास समाज द्वारा रायपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय महिला सम्मेलन में रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुनील सोनी ने शामिल होकर रविदास समाज की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य शासन द्वारा महिला हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने में वे संकोच न करें, राज्य शासन किसी के साथ कोई भी भेदभाव नहीं करता। समाज प्रमुख की मांग पर उन्होंने विधायक निधि से 10 लाख रुपये उनके विधानसभा क्षेत्र जहां रविदास समाज निवासरत हैं कि महिलाओं के लिए महिला सामुदायिक भवन निर्माण के लिए देने की घोषणा की। महिला दिवस पर समाज की महिलाओं एवं बालिकाओं द्वारा शिक्षाप्रद भाषण, नृत्य और गीत प्रस्तुत किया गया। सम्मेलन में स्वास्थ्य एवं कानूनी की जानकारी एवं सहायता तथा इलाज हेतु स्टॉल लगाया गया था।

इस अवसर पर पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह भी संपन्न कराया गया।

जल संकटग्रस्त 3 हजार से ज्यादा गांवों को मिलेगा नदी का मीठा पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में 3 हजार से ज्यादा गांव अभी भी भीषण जलसंकट का सामना कर रहे हैं। राज्य सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत इन गांवों को पानी मुहैया कराने की एक खास योजना को लागू कर दिया है। इसके फलस्वरूप जिन गांवों को अब तक खारा पानी भी नहीं मिल पा रहा था, उन गांवों को अब नदी का मीठा पानी मिलेगा।

छत्तीसगढ़ में भूजल संकट से घिरे गांवों की पहचान के बाद 3234 गांवों को जल्द इस समस्या से निजात मिल जाएगी। राज्य की विष्णुदेव साय सरकार ने इन गांवों में जल जीवन मिशन के तहत पेयजल के लिए बहु ग्राम योजना लागू की है। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि इस योजना के पूरा होने पर 3234 गांवों में नदी का मीठा पानी पहुंचाया जाएगा। इससे अब तक खारे पानी के लिए भी तरस रहे इन गांवों के 10 लाख से अधिक परिवारों को मीठा जल मिल सकेगा। इसके लिए प्रदेश में कुल 4527 करोड़ रुपए की लागत से 71 मल्टीविलेज योजनाओं का काम शुरू किया गया है। सरकार ने इन गांवों में आपूर्ति किए जाने वाले पानी की क्वालिटी सुनिश्चित करते हुए सभी मल्टी विलेज योजनाओं को समय में पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री अरुण साव की अध्यक्षता में हुई जल जीवन मिशन की बैठक में मल्टीविलेज योजना लागू करने की मंजूरी दी गई थी।

हरिभूमि
रायपुर, शुक्रवार 14 मार्च 2025
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

शुभ मुहूर्त में होलिका दहन

शहरभर में रंग बरसे...

'इस होली को यादगार बनाने के लिए परीक्षा का दौर चलने के बाद भी युवा उत्साह से होली उत्सव का हिस्सा बने। सदर की सड़क से लेकर होटलों तक फाग गीतों की श्रृंखला के बीच रंगों से सराबोर युवा परंपरा को उत्सव का ट्रेंड बनाने में दिनभर जुटे रहे। इसे देखते हुए होटलों में तैयारी रही। कॉलेजों में भी रंगोत्सव की दिनभर धूम रही। वहीं पर्व को रंगीन बनाने के लिए साजो-सामान जुटाने वालों की भीड़ बाजारों में गुरुवार को देखने को मिली।'

होली उत्सव के लिए सजे बाजारों में दिनभर रही रंग-गुलाल व पिचकारी की डिमांड

रायपुर। शहर में सदरबाजार की होली ने आने-जाने वालों को रंगों से तरबतर किया। इस रूट से जो भी गुजरा, रंगों से नहीं बच पाया। इस वजह से भी इस रूट से वही गुजरे, जो रंगों के इस उत्सव की रंगत में जुड़े हैं। युवा आने-जाने वाले लोगों पर बिना जान-पहचान के भी प्रेम का रंग बरसाने उत्साही थे। इससे आगे मालवीय रोड और गोलबाजार में रंग-गुलाल, पिचकारी, मिठाई और नमकीन के साथ ही पेठा खरीदने के लिए लोगों का हुजूम उमड़ा। इस वजह से सड़क पर ट्रैफिक जाम की स्थिति कई जगह रही। त्योहारी सामान बेचने वालों के लिए ग्राहकी का प्राइम दिन होने से वे भी डिमांड पूरी करने काउंटर पर जमे थे।

5 घंटे में बजाए 15 सौ रीमिक्स गाने

होली के रीमिक्स गीतों पर झूमते तीन सौ से ज्यादा युवाओं का उत्साह तेलीबांधा स्थित होटल उत्सव इन में देखने लायक था। यहां 8 ढोल के साथ बनाई गई युवाओं की टुकड़ी भी उत्साह से भरपूर थी। इनके बीच 5 घंटे में 15 सौ रीमिक्स गीतों पर युवा उत्साह रंगत में नजर आया। सभी रंग लगाने के बाद फुहारों पर थिरकने में मशगूल थे। एक जगह यूथ की होली ने उत्सव का रूप दिया।

साइंस कॉलेज में भी बरसी फुहार

इससे अलग ही मिजाज में साइंस कॉलेज की छात्र-छात्राएं नजर आई। डीजे पर होली गीतों के साथ ही उत्साह से झूमते हुए रंगों के महापर्व से एक दिन पहले ही होली की रंगत में नजर आए। छात्र-छात्राओं के ग्रुप ने इसे उत्सव का रूप देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। हर किसी का चेहरा रंगों से लथपथ था। लोगों ने रंगों के इस पर्व को खास बनाने के लिए पहले से तैयारी की थी।

कॉलेज में युवाओं ने भी जमाया रंग

सभी रंगों को अपने जीवन में समाहित करके युवाओं ने होलिका दहन से भी पहले धूमधाम से होली मनाई। संस्कृति का निर्वाह करने और जीवन को रंगीला करने की सोच को लेकर देवपुरी स्थित विकास कॉलेज के विद्यार्थियों और अध्यापकों ने होली उत्सव मनाया। इसमें संचालक डॉ. सुरेश शुक्ला के साथ प्राध्यापक संगीता दुबे, अनुकृति शुक्ला, डेनिता साहू, हिमलता साहू, वर्षा अग्रवाल, डोलेश्वरी होता, वंदना यदु ने शामिल होकर रंगोत्सव भी मनाया।

होलिका सजाई, रात में किया दहन

पुरानी बस्ती, लाखेनगर, अग्रसेन चौक, फाफाडीह सहित सभी मुख्य मार्गों पर होलिका सजाने का सिलसिला सुबह से शाम तक चला। कई स्थानों पर होलिका की मूर्ति को भी आकर्षक तरीके से सजाया गया था। इसी तरह पारंपरिक तरीके से होली जलाने के लिए लकड़ी और कंडे का ज्यादा उपयोग किया गया। पुरानी बस्ती क्षेत्र में आसपास के लोगों ने रोज कंडे डालने के बाद गुरुवार को अंतिम रूप दिया। रात 11.26 बजे के बाद ही होलिका दहन की परंपरा निभाई गई।

मिठाई और ठंडाई दुकानों पर उमड़ी भीड़

होली में मिलने के लिए आने वाले लोगों के स्वागत की तैयारी के लिए भी लोग मिठाई और बेकरी दुकानों में पहुंचे। इसके चलते दिनभर रौनक रही। आने वाले ग्राहकों को सामान देने के लिए सामान्य दिनों से ज्यादा लोग भी काउंटर पर नजर आए, ताकि आने वाले लोगों को जरूरी सामान जल्दी दे सकें। इस तरह की स्थिति शहर के सभी मुख्य बाजारों में देखने को मिली। रंग-गुलाल और पिचकारी के साथ ही मुखौटों की पूछपरख भी दिनभर रही।

छालीवुड के डायरेक्टर्स ने मनाया उत्सव

कटोरा तालाब सेवन स्टार ग्राउंड में छॉलीवुड डायरेक्टर्स ने भव्य होली मिलन का आयोजन किया। जहां छत्तीसगढ़ी गीत-संगीत के साथ ही फिल्मी अंदाज में ही होली उत्सव मनाया गया। इसमें मनोज वर्मा, अशोक तिवारी सहित भारी तादाद में कलाकारों को मौका देने वाले होली के खास मौके पर रंगोत्सव की खुमारी में झूमते हुए नजर आए। हर किसी ने एक-दूसरे को पर्व की बधाई देते हुए इसे खास बनाने के लिए दोपहर का भोजन साथ में किया।

टब में घोला रंग और हुए सराबोर

सीमेंटेड टब में रंग घोलने के बाद सत्ती बाजार के युवा उसमें सराबोर होने में मशगूल रहे। आने-जाने वालों को भी रंगों से भिगाने के लिए कई तरह के जतन भी किए। जान-पहचान के लोगों को बुलाकर लाने के बाद उन्हें टब में रंगीन किया। इसके बाद हैप्पी होली का संबोधन दे रहे थे। इसके बाद नए लोगों की तलाश में युवाओं का ग्रुप जुटा। इस तरह का सिलसिला दिनभर चला। इससे आने-जाने वाले लोग भी कन्नी काटते हुए दूसरे रूट से निकले।

अब आईसीएआई सीजी में निवेश और उद्योग बढ़ाने करेगा मंथन

रायपुर। इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑपु इंडिया (आईसीएआई) की रायपुर शाखा अब छत्तीसगढ़ में निवेश और उद्योग को बढ़ाने को लेकर मंथन करने की तैयारी में है। इस दिशा में अध्यक्ष विकास गोलछा, कोषाध्यक्ष संस्कार अग्रवाल के साथ ही सीए स्टूडेंट्स शाखा अध्यक्ष ऋषिकेश यादव ने सीएम विष्णु देव साय को प्रदेश एवं राष्ट्र निर्माण में चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा दिए गए योगदान से अवगत कराया। आईसीएआई शाखा द्वारा छत्तीसगढ़ में आगामी निवेश को बढ़ावा देने वाले आयोजनों की कार्ययोजना के बारे में बताया है। इसके बाद सीएम साय ने सीए फॉर सीजी के लोगो का अनावरण किया।

29 और 30 मार्च को अमृतकाल

इस श्रृंखला में 29 और 30 मार्च को सीए का राष्ट्रीय अधिवेशन अमृतकाल में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रण दिया। इस अधिवेशन में रायपुर, भिलाई, बिलासपुर व रायगढ़ शाखा द्वारा आयोजित होने वाले अमृतकाल ऑन बैंक ऑडिट एवं आर्टिफिशल इंटेलीजेंस के बारे में बात होगी। इसमें प्रदेश एवं देश के 1500 से ज्यादा चार्टर्ड अकाउंटेंट शामिल होंगे। वहीं राष्ट्रीय स्पीकर्स बैंक ऑडिट, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, जीएसटी पर भी अनुभव साझा करेंगे।

सीए फॉर सीजी के लोगो का सीएम ने किया अनावरण, जल्द तय होंगे प्रोग्राम

सीए फॉर सीजी ग्रोथ का अनावरण

सरकार से आगामी एक्टिविटी में सहयोग की मांग भी रखी। इसमें रायपुर के सीए शाखा देश एवं विदेश के सीए शाखाओं में इन्वेट इन सीजी समिट में शामिल होने के साथ ही छत्तीसगढ़ उद्योग नीति के बारे में वर्कशॉप करेगा। इसके लिए वार्षिक थीम लोगो सीए फॉर सीजी ग्रोथ का अनावरण भी किया गया। रायपुर शाखा के अध्यक्ष सीए विकास गोलछा ने इस वर्ष प्रदेश निर्माण में चार्टर्ड अकाउंटेंट की सहभागिता एवं विकसित छत्तीसगढ़ के परिकल्पना को अपने कार्यकाल की वार्षिक थीम रखी। इसके प्रतीक के रूप में सीए फॉर सीजी ग्रोथ का लोगो तैयार किया है।

अंतर्राष्ट्रीय स्वीमिंग पूल में मेंबरशिप लेने जुट रही तैराकों की भीड़

गर्मी के साथ स्वीमिंग पूल में बढ़ी रौनक, फिट रहने बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक कर रहे तैराकी

गर्मी का मौसम शुरू होते ही एक बार फिर से स्वीमिंग पूल में रौनक लौटनी शुरू हो गई है। मार्च में तापमान बढ़ने के बाद सुबह और शाम अलग-अलग शिफ्ट में लोग तैराकी करने पहुंचने लगे हैं। स्वीमिंग पूल में तैराकी करना हर आयुवर्ग के लोगों को भा रहा है। 6 साल से लेकर 60 साल तक उम्र के लोग तैराकी के लिए पूल पहुंच रहे हैं। इसमें महिलाएं भी पीछे नहीं हैं।

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय स्वीमिंग पूल में मेंबरशिप लेने इन दिनों स्वीमिंग के शौकीनों की भीड़ जुटनी शुरू हो चुकी है। बच्चों को तैरना सिखाने के लिए नए उपकरण भी आए हुए हैं। वर्तमान में युवा, बच्चों और महिलाओं के लिए सुबह-शाम अलग-अलग शिफ्ट लगाई जा रही है। शाम के वक्त बच्चों की भीड़ पूल में बढ़ जाती है तो वहीं सुबह के वक्त बड़ी संख्या में युवा पहुंचते हैं। गर्मी के लिए पूल विशेष रूप से तैयार किया जा चुका है। सभी वर्ग के लिए पुल को रस्सी की मदद से बांट दिया गया है। सुरक्षा दृष्टि से लाइफ जैकेट और ट्रेनर पूरे समय पूल में नहाने वालों की निगरानी करते हैं।

60 से अधिक लोग रोज कर रहे स्वीमिंग

फरवरी में जहां 30 लोग रोजाना स्वीमिंग करने पहुंच रहे थे, वहीं अब 60 से अधिक हो चुके हैं। पूल प्रबंधक का कहना है कि बच्चों की परीक्षा हो जाने के बाद संख्या और बढ़ेगी। जो स्वीमर स्वीमिंग सूट नहीं लाते, उनके लिए सामान्य शुल्क के साथ उन्हें स्वीमिंग सूट उपलब्ध कराया जा रहा है। 1900 का मासिक शुल्क देकर 5 से 60 वर्ष तक का कोई भी व्यक्ति स्वीमिंग सीख सकता है।

चारों तरफ लगाई लोहे की रेलिंग

पूल में जो तैरना सीख रहे हैं या जिनको तैरना नहीं आता, उनकी सुरक्षा का ध्यान रखा जा रहा है। स्वीमिंग पूल के चारों तरफ लोहे की रेलिंग लगाई गई है, ताकि जिन्हें तैरना नहीं आता, वो रेलिंग के सहारे तैरना सीख सकें। प्रशिक्षण के लिए महिला और पुरुष प्रशिक्षक हैं। इसके साथ एक आब्जर्वर भी किनारे पर मौजूद रहते हैं, जो निगरानी करते हैं कि कोई डूब तो नहीं रहा।

बच्चे लगा रहे रेस

स्वीमिंग पूल में शाम के पांच से छह बजे के बीच बच्चों का बैच लगता है, जिसमें 5 से 15 वर्ष के बच्चे अपने स्वजनों के साथ पहुंच रहे हैं। स्वीमिंग सूट में बच्चे अपने दोस्तों के साथ ठंडे पानी में मस्ती करते नजर आते हैं। उनकी सुरक्षा के लिए भी खास तरह की व्यवस्थाएं प्रबंधन द्वारा की गई हैं।

सप्ताहांत में अधिक भीड़

अंतर्राष्ट्रीय स्वीमिंग पूल में शनिवार और रविवार को नहाने वाले युवाओं की भीड़ बढ़ जाती है। स्वीमिंग पूल के प्रबंधक पुष्पकांत चंद्राकर ने बताया, गर्मी बढ़ने के बाद सुबह से लेकर देर शाम तक भीड़ देखने को मिल रही है। अभी तक 200 से अधिक लोग मेंबरशिप ले चुके हैं। छुट्टी के दिन बिना मेंबरशिप वालों की संख्या बढ़ जाती है। इन दिनों सभी शिफ्ट में बच्चे से लेकर युवा और उम्रदराज सभी तैराकी सीखने और गर्मी से राहत पाने के लिए स्वीमिंग पूल में डुबकी लगाते नजर आ रहे हैं।

चैत्र नवरात्रि पर अभिजीत मुहूर्त के साथ सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग का संयोग

30 मार्च से नवरात्रि की शुरुआत, इस वर्ष 8 दिनों का पर्व

रायपुर। हिंदू धर्म में नवरात्रि का विशेष स्थान है, इस पर्व में श्रद्धालु मां भवानी के नौ विभिन्न स्वरूपों की पूजा करते हैं। इस साल 30 मार्च से चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो रही है, जिसमें अभिजीत मुहूर्त के साथ सर्वार्थ सिद्धि और अमृत सिद्धि योग का अद्भुत संयोग बन रहा है। इस वर्ष नवरात्रि 9 दिन के बजाय 8 दिन की होगी, क्योंकि तिथियों में परिवर्तन के कारण अष्टमी और नवमीं एक ही दिन पड़ रही है। चैत्र नवरात्रि में नौ देवियों की पूजा के साथ सूर्यदेव की पूजा से विशेष कृपा का संयोग बन रहा है।

दो शुभ मुहूर्त

इस साल चैत्र नवरात्रि के दिन कलश स्थापना के लिए 2 शुभ मुहूर्त प्राप्त हो रहे हैं, एक मुहूर्त सुबह 6.13 बजे से सुबह 10 बजकर 22 मिनट तक है। दूसरा मुहूर्त दोपहर 12.01 से 12.50 बजे तक है। जो श्रद्धालु घर पर देवी के नाम से कलश स्थापित करने वाले हैं, उनके लिए यह कुशल मुहूर्त है। पहले दिन माता शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की जाएगी।

नवरात्रि की तिथि और शुभ मुहूर्त

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 29 मार्च को शाम 4.27 बजे से प्रारंभ होगी, यह तिथि 30 मार्च को दोपहर 12 बजकर 49 मिनट तक रहेगी। इस स्थिति में उदया तिथि के आधार पर चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ 30 मार्च दिन रविवार से होगा। पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि योग शाम को 4 बजकर 35 मिनट से, अगले दिन सुबह 6 बजकर 12 मिनट तक रहेगा। मान्यता के अनुसार कार्य के लिए यह योग सबसे सफल सिद्ध और शुभ माना गया है।

नवरात्रि में मां भवानी की सवारी हाथी

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि में मां दुर्गा की सवारी हाथी होगी, देवी मां का हाथी पर सवार होकर आना बहुत शुभ माना जाता है। मान्यता के अनुसार माता की सवारी शांति और समृद्धि का प्रतीक मानी गई है। नवरात्रि में मां भवानी की सवारी इस बात का संकेत है कि अच्छी बारिश होगी, जो किसानों के फसल के लिए बहुत अच्छा होगा। इस वर्ष मां सभी को समृद्धि और कुशल जीवन का आशीर्वाद देने आ रही हैं।

आरटीई के आवेदन पोर्टल पर अपडेट से पहले ही करें सत्यापन

रायपुर। शिक्षा के अधिकार अधिनियम पोर्टल का संचालन करने वाले प्रदेश के 32 जिलों के नोडल्स को प्रशिक्षित किया गया, ताकि कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न होने पाए। इसमें आरटीई के बेहतर संचालन के लिए किस तरह की प्रक्रिया अपनानी चाहिए, इसे भी बताया गया। इसमें आरटीई के नोडल्स के साथ ही प्राचार्यों को प्रशिक्षण दिया गया। इसके लिए शासकीय शिक्षक शिक्षा कॉलेज शंकर नगर स्थित लोक शिक्षण संचालनालय के तकनीकी समूह ने ट्रेनिंग भी दी। इसमें कॉलेज के प्राचार्य डॉ. योगेश शिवहरे ने वर्तमान में आरटीई के पोर्टल पर हुए परिवर्तन के बारे में बताया। साथ ही आरटीई के पोर्टल और इससे जुड़ी समस्याओं के बारे में भी जानकारी दी।

आवंटित स्कूल का डाटा अपलोड करें

प्रशिक्षण प्रोग्राम में सीटीई के उप प्राचार्य डॉ. आलोक शर्मा ने बताया कि बच्चों के स्कूल में प्रवेश के लिए आरटीई के माध्यम आवेदन मिलते हैं तो पोर्टल पर छात्र और वे जिस विद्यालय में प्रवेश लेना चाहते हैं। उनके सभी जानकारी को अपडेट करें। विद्यालय की सभी जानकारी को अपडेट करने से पहले सभी नोडल सत्यापन करें। विद्यालय चयन के आधार पर लॉटरी से आवंटन किया जाता है। इसके बाद आवंटित स्कूल में प्रवेश लेने की सभी डाटा को आरटीई पोर्टल में अपलोड करना होता है। डीपीआई की तकनीकी टीम ने यह जानकारी दी।

सिटी स्पोर्ट्स

होम वर्कआउट में ध्यान रखें ये बातें, तेजी से मिलेगा रिजल्ट

कोरोना के बाद हमारी दुनिया काफी बदल चुकी है। आज भी लोग सार्वजनिक जिम के बजाए पर्सनल जिम में वर्जिश करना पसंद करते हैं। फिर जो लोग घर से भी काफी कम बाहर निकलते हैं या फिर कई लोग हैं जो रोजाना जिम जाते हैं उन्हें सेहत का ख्याल रखना काफी जरूरी है। वहीं घर में वर्कआउट/एक्सरसाइज करने के लिए कुछ लोगों ने सस्ते फिटनेस इक्युपमेंट्स भी खरीद लिए हैं।

बेहतर रिजल्ट पाने के लिए वर्कआउट टिप्स फॉलो करने के साथ कैलोरी बर्न करने और वेट लॉस करने वाली एरोबिक एक्सरसाइज पर ध्यान देने के अलावा कुछ अन्य बातों का भी ख्याल रखना काफी जरूरी है। जिससे फिटनेस पाने में भी काफी मदद मिल सकती है।

एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने होम वर्कआउट से मस्कुलर बॉडी बनाई थी जिसके बारे में उन्होंने हमारे साथ अपनी फिटनेस जर्नी शेयर की थी। उनकी इस जर्नी का कारण था कि वे होम वर्कआउट के समय छोटी से छोटी चीजों का भी ख्याल रखते थे। इससे उन्हें काफी अच्छे रिजल्ट मिले। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं जिन्हें होम वर्कआउट के समय ध्यान में रखने से आपको भी तुरंत अच्छे रिजल्ट मिलेंगे।

स्पोर्ट्स ड्रेस पहनें

होम वर्कआउट का ये मतलब नहीं है कि आप घर के कपड़ों में ही वर्कआउट करने लगें। वो कहते हैं न कि अगर ओकेजन के मुताबिक ड्रेस पहनी जाए तो कॉन्फिडेंस और अधिक बढ़ जाता है। उसी तरह स्पोर्ट्स वियर में वर्कआउट करने से आपका कॉन्फिडेंस अधिक बढ़ जाएगा। साथ ही साथ आप मानसिक रूप से खुद को तैयार कर सकते हैं। इसलिए एक आरामदायक टैंक टॉप, ट्रैक पैंट और यहां तक कि अपने चलने वाले जूते पहनकर वर्कआउट करें।

खूब पानी पिएं

जब कोई घर में रहता है तो उसका वॉटर इंटेक कम हो जाता है। अगर आप भी घर पर हैं तो अपनी दिनचर्या में कम पानी पी रहे होंगे। अगर आप घर पर ही हैं तो आपको बीच-बीच में छोटे घूंट लेना महत्वपूर्ण है। ताकि आपकी मांसपेशियां लगातार हाइड्रेटेड रहें और होम वर्कआउट के दौरान अच्छी परफॉर्मेंस कर पाएं। याद करें जब आप जिम में वर्कआउट करते थे तब भी बीच-बीच में पानी पीते थे। इसलिए इस बात पर भी खास ध्यान दें। यदि आप अपनी परफॉर्मेंस अच्छी करना चाहते हैं और घर पर देर तक वर्कआउट करना चाहते हैं तो समय-समय पर पानी पीते रहें।

अपने शरीर की सुनें

जिम वर्कआउट हो या होम वर्कआउट हो यह बहुत जरूरी है कि आपको अपनी शरीर की सुनना चाहिए। ऐसा न करने से आपको चोट लग सकती है या इंजुरी भी हो सकती है। जब आप किसी ट्रेनर के अंडर में रहकर ट्रेनिंग करते हैं तो वो आपको बताते हैं कि कब और कितनी एक्सरसाइज करना है या कुछ अलग करना है।

लेकिन जब आप घर पर होते हैं तो आप खुद अपने टीचर होते हैं और आपको घर पर किसी का मार्गदर्शन नहीं मिलेगा। इसलिए अपने शरीर को देखकर वर्कआउट करें। जैसे आपके शरीर में 40 बर्पी करने की हिम्मत है और आप अधिक करने की कोशिश कर रहे हैं तो आपको नुकसान हो सकता है। इसलिए अपनी बॉडी को ओवर ट्रेन करने से बचें।

तुरंत जिम इक्युपमेंट न खरीदें

अक्सर, जब लोग घर पर वर्कआउट करने की प्लानिंग करते हैं उससे पहले ही ढेर सारे इक्युपमेंट खरीद लेते हैं। ऐसे में कई ऐसी चीजों में भी पैसा बर्बाद हो जाता है जिसके बारे में बाद में पता चलता है कि वो इक्युपमेंट नहीं भी होता तो भी काम चल जाता। ऐसे में पैसे की बर्बादी तो होगी ही और साथ ही साथ घर में वर्कआउट का सामान रखने की भी जगह कम पड़ सकती है। इसलिए पहले कुछ दिन बॉडी वेट वर्कआउट करें और उसके बाद इन ही कोई हैवी इक्युपमेंट लेने की प्लानिंग करें। जब आपको लगे कि आप वर्कआउट कंटिन्यू रखना चाहते हैं तब किसी एक्सपर्ट की मदद से इक्युपमेंट लेने के बारे में सोचें। किसी भी काम करने का मजा तब आता है जब उससे आपको रिजल्ट मिल रहे हों। अब अगर होम वर्कआउट कर रहे हैं तो उससे रिजल्ट भी मिलना चाहिए।

चौंकाने वाला खुलासा मेडिकल साइंस में, सावधान रहना जरूरी

बिना खांसी के भी हो सकती है टीबी एक चौथाई में कोई भी लक्षण नहीं

ट्यूबरकुलोसिस (टीबी) दुनियाभर में रिपोर्ट की जाने वाली गंभीर स्वास्थ्य समस्या है। माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस नामक जीवाणु के कारण ये संक्रमण होता है। बैक्टीरिया आमतौर पर फेफड़ों पर अटैक करते हैं, इसके अलावा इसका दुष्प्रभाव किडनी, रीढ़ और मस्तिष्क पर भी देखा जा सकता है। टीबी, मुख्यरूप से फेफड़ों की बीमारी मानी जाती है, इसके लक्षण सांस की समस्याओं और फेफड़ों की अन्य दिक्कतों से संबंधित होते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, टीबी किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है, इसलिए इसके जोखिमों के बारे में जानना और इससे बचाव के उपाय करना आवश्यक है।

दुनियाभर में टीबी रोग को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने और इससे बचाव को लेकर लोगों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हर साल मार्च माह की 24 तारीख को वर्ल्ड टीबी डे मनाया जाता है। टीबी की स्थिति में मुख्य रूप से खांसी (खांसी के साथ खून आना), वजन घटने, रात को पसीना आने, बुखार, सीने में दर्द और थकान की दिक्कत होती है। हालांकि हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि टीबी के लक्षणों में बड़े बदलाव को लेकर अलर्ट किया है। अध्ययन से पता चलता है कि 80% से अधिक टीबी रोगियों में अब लगातार खांसी की दिक्कत ही नहीं देखी जा रही है।

टीबी रोगियों में नहीं देखा जा रहा ये प्रमुख लक्षण

द लैंसेट इंफेक्शियस डिजीज में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, एशिया और अफ्रीका में जिन लोगों में टीबी की दिक्कत देखी जा रही है, उनमें से करीब 80 फीसदी लोगों ने बताया कि उन्हें लगातार खांसी आने की शिकायत नहीं थी। रोगियों में अब तक टीबी का सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा ये लक्षण नहीं देखा गया है।

सबक्लिनिकल पल्मोनरी टीबी की व्यापकता का पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों की टीम ने किए गए इस अध्ययन में पाया कि एशिया और अफ्रीका के हाई बर्डन वाले देशों में अधिकतर टीबी रोगियों को लगातार खांसी नहीं थी, जबकि 60% से अधिक लोगों में बिल्कुल खांसी नहीं थी। इतना ही नहीं एक चौथाई से अधिक लोगों में बीमारी से जुड़ा कोई अन्य लक्षण नहीं था।

खांसी के बिना भी टीबी के मामले

वैज्ञानिक कहते हैं, टीबी रोगियों में लगातार खांसी न होने समस्या पर ध्यान देना काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उन प्राथमिक लक्षणों में से एक है जो रोगियों में टीबी के निदान प्रक्रिया को शुरू करता है। इसका मतलब है कि अब रोगियों में इस रोग का पता लगाना कठिन हो सकता है।

लक्षण स्पष्ट न होने पर निदान और उपचार में देरी की आशंका होती है जिससे शरीर में अंदर ही अंदर बीमारी बढ़ सकती है और इसके गंभीर रूप लेने का खतरा भी बढ़ जाता है।

टीबी से मौत का जोखिम

साल 2022 में वैश्विक स्तर पर 1.3 मिलियन (13 लाख) लोगों की टीबी के कारण मौत हो गई। कोविड-19 के बाद, टीबी किसी संक्रामक एजेंट से होने वाली मौत का दूसरा प्रमुख कारण रहा है। शोधकर्ता कहते हैं, अध्ययन के निष्कर्ष यह समझाने में मदद करते हैं कि वैश्विक स्तर पर रिपोर्ट किए गए नए टीबी मामलों की संख्या (2022 में 7.5 मिलियन) और बीमारी विकसित करने वाले लोगों की अनुमानित संख्या (2022 में 10.6 मिलियन) के बीच हर साल इतना महत्वपूर्ण अंतर क्यों है।

होली के माहौल में दिखने वाले सपनों का महत्व जानिए

कई बार आपको सपने में ऐसी चीजें दिखाई दे सकती हैं जिनका भविष्य के लिए शुभ फल मिल सकता है, वहीं कुछ ऐसे भी सपने हो सकते हैं जो नकारात्मक संकेत दे सकते हैं। ऐसे ही आपको कई बार सपने में ऐसी चीजें भी दिखाई देती हैं। जिससे आपके आने वाले भविष्य में आर्थिक लाभ हो सकते हैं। अगर आपको होली के पर्व के आस-पास कुछ विशेष सपने दिखाई देते हैं तो इनका आपके आने वाले समय में बहुत शुभ फल मिल सकता है। ऐसे सपने आपको धन के संकेत भी दे सकते हैं। आइए ज्योतिर्विद पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी जी से जानें इसके बारे में विस्तार से।

सपने में पैसों से भरी तिजोरी

अगर आपको होली के पर्व के आस-पास सपने में पैसों से भरी तिजोरी दिखाई देती है तो ये आपके जीवन के लिए अच्छे संकेत हो सकते हैं। अगर आप सपने में किसी से धन ले रहे हैं तो समझे कि असल जीवन में भी आपको अनायास ही धन की प्राप्ति हो सकती है।

यह सपना इस बात का संकेत भी हो सकता है कि आपका अटका हुआ धन वापस मिलने वाला है। यदि

असल जीवन में आपका सपना धन कमाने का है तो यह सपना आपके लिए शुभ फल दे सकता है। यह सपना इस बात का संकेत हो सकता है कि निकट भविष्य में आपकी मेहनत रंग ला सकती है।

सपने में गहने देखना

यदि आपके सपने में गहने दिखाई देते हैं तो यह सपना आपके लिए शुभ संकेत दे सकता है। असल जीवन में इस सपने का प्रभाव यह हो सकता है कि आपको सोने, चांदी या हीरे के सपने का के गहने खरीदने का मौका मिले। ऐसा भी हो सकता है कि आपको उपहार में किसी से गहने मिलें। ऐसा अपना हमेशा न सिर्फ गहने खरीदने का संकेत होता है बल्कि किसी भी रूप में धन के संकेत दे सकता है।

सपने में मछली को पानी में तैरते हुए देखना

अगर आपको सपने में कभी एक्वेरियम दिखाई देता है और आप उसमें मछलियों को तैरते हुए देखते हैं, तो ये आपके जीवन के लिए सकारात्मक संकेत देता है। ऐसा संभव है कि आपको जल्द ही इसका लाभ मिले और आपको धन लाभ हो।

पानी में मछलियों का सपना आपके जीवन के लिए शुभ संकेत देता है और इससे आपको लाभ हो सकता है। एक्वेरियम में मछलियों का सपना हमें सजीवता, ऊर्जा और समृद्धि के संकेत देता है। इस सपने का मतलब हो सकता है कि हमारे जीवन में आने वाले समय में सफलता और समृद्धि की प्राप्ति हो। धन की वृद्धि के साथ-साथ हमें स्वास्थ्य, समृद्धि और आनंद की प्राप्ति के संकेत भी मिलते हैं।

सपने में नया घर देखना

अगर आपको होली के समय नए घर का सपना आए तो ये आपके जीवन के लिए शुभ संकेत देता है। इसका मतलब यह है कि जल्द ही आपकी किस्मत बदल सकती है और आपको इसके लाभ मिलेंगे।

भोग लगाने के दौरान न करें ये गलती

ज्योतिषाचार्य के हिसाब से पूजा के दौरान लोगों को भूलकर भी यह गलती नहीं करना चाहिए। कुछ लोग भोग भगवान के लिए तैयार करते हैं और उसमें से अलग निकालकर खाना शुरू कर देते हैं। पश्चात उसी में से निकालकर भगवान को भी प्रसाद स्वरूप चढ़ा देते हैं। ऐसा करना शास्त्रों में वर्जित माना गया है। इसलिए अगर आप भगवान को भोग लगाने के लिए कुछ बना रहे हैं, तो सीधे भोग लगाएं।

भोग लगाने के बाद इन्हें खिलाएं

भोग लगाने के बाद सबसे पहले गाय को खिलाना चाहिए। क्योंकि गौ माता में सभी देवी-देवता (देवी-देवता पूजा) वास करते हैं और इन्हें खिलाने से सभी देवी-देवता प्रसन्न हो सकते हैं और उनकी कृपा व्यक्ति पर बनी रहती है। इसलिए भोग लगाने के बाद सबसे पहले गाय को खिलाएं।

घर के बच्चे को खिलाएं भोग

अगर आपको गौ माता भोग खिलाने के लिए नहीं मिल रही हैं, तो आप घर में सबसे छोटे बच्चे को खिला सकते हैं। ऐसा कहा जाता है बच्चे भगवान का स्वरूप माने जाते हैं। इसलिए बच्चे को भी भोग लगाने के बाद खिला सकते हैं। इससे शुभ परिणाम मिल सकते हैं।

भोग लगाने के दौरान रखें इस बात का ध्यान

भोग लगाने के दौरान और भी कई बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। भगवान के भोग में इस बात का विशेष ध्यान रखें कि प्याज और लहसून को हटा दें। भोग बनाने वाले स्थान को साफ-सुथरा रखें और गंगाजल (गंगाजल उपाय) से पवित्र जरूर करें। अगर आप भी भगवान को भोग लगाने के दौरान यह गलतियां करते हैं, तो ऐसा करने से बचें ।

होली की सुबह का नाश्ता हो ऐसा, रंग खेलने से पहले भर जाए पेट

रंग खेलने से पहले हल्का लेकिन ऊर्जा देने वाला नाश्ता करना जरूरी होता है, ताकि पूरे दिन एनर्जी बनी रहे। यहाँ कुछ बढ़िया नाश्ते के विकल्प दिए गए हैं:

पोहा: यदि कुछ हल्का बनाने का मन है तो एक पैन में तेल गर्म करें, राई और करी पत्ते डालें। कटे हुए प्याज, हरी मिर्च और उबले आलू डालें। धुले हुए पोहा डालें, हल्दी और नमक मिलाएं। मूंगफली, नींबू रस और धनिया डालकर गर्मागर्म परोसें। इसके ऊपर आप नमकीन भी डाल सकते हैं।

आलू या पनीर पराठा: कुछ हैवी सा बनाना है तो आलू या पनीर का पराठा बनाएं। इसके लिए गेहूं के आटे से पराठे की लोई तैयार करें। अब उबले आलू या कद्दूकस किया हुआ पनीर, धनिया और मसाले मिलाकर स्टफिंग बनाएं। भरकर पराठा बेलें और तवे पर घी लगाकर सेंकें। इसे दही और अचार के साथ परोसें।

सूजी उपमा: उपमा खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे तैयार करने के लिए एक कड़ाही में तेल गर्म करें, राई और करी पत्ते डालें। प्याज, हरी मिर्च और सब्जियाँ डालें, फिर सूजी भूनें। पानी और नमक डालें, ढककर पकाएं। हरा धनिया और नींबू रस डालकर सर्व करें।

मटर कुल्चा या छोले कुल्चा: कुल्चा बाजार में रेडीमेड मिल जाता है। ऐसे में इसे तैयार करने के लिए उबले हुए मटर या छोले को मसालों के साथ हल्का भूनें। तवे पर नरम कुल्चे सेकें। मटर के साथ परोसें और ऊपर से धनिया व प्याज डालें।

मिक्स वेज चीला : चीला खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे तैयार करने के लिए बेसन में कटी हुई सब्जियां, अदरक, हरी मिर्च और मसाले डालें। पानी मिलाकर बैटर तैयार करें।

कार्नर न्यूज

हर रंग का होता है अलग मतलब, सोच समझकर करें इस्तेमाल

होली में चुनें अपने मिजाज का रंग, त्यौहार को रंगीन बनाने कीजिए सिर्फ अपने मन की

होली में सही रंग का चयन करके आप अपने प्रियजनों के प्रति अपनी भावनाओं को और भी खूबसूरती से व्यक्त कर सकते हैं। रंगों का चयन करते समय इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि आप होली किसके साथ खेल रहे हैं। होली रंगों का पर्व है, जहां हर रंग खास अर्थ और भावना को दर्शाता है। सही रंग का चयन करके आप अपने प्रियजनों के प्रति अपनी भावनाओं को और भी खूबसूरती से व्यक्त कर सकते हैं। रंगों का चयन करते समय इस बात का ध्यान रखना जरूरी है कि आप होली किसके साथ खेल रहे हैं। होली का हर रंग कुछ कहता है और अपने जज्बातों को जाहिर करते समय सही शख्स पर सही रंग का चयन करें। दोस्त हो या प्रेमी, परिवार हो या बच्चे , जिसके साथ भी होली खेल रहे हैं, उसे सही मायनों और अर्थ वाले रंग से रंग दें। यहां आपको होली के रंगों के मतलब बताएं जा रहे हैं। आइए जानते हैं विभिन्न रंगों के अर्थ और उन्हें किसे लगाना उचित होगा।

लाल

लाल रंग प्रेम,, साहस, ऊर्जा और उत्साह का प्रतीक होता है। यह शक्ति और दृढ़ता को भी दर्शाता है। लाल रंग का गुलाल या अबीर अपने जीवनसाथी, प्रेमी या करीबी दोस्तों को लगा सकते हैं, जिनसे आप गहरा स्नेह रखते हैं।

पीला

पीला रंग प्रसन्नता, ज्ञान और विद्या का प्रतीक है। सुख, शांति और मानसिक उन्नति को दर्शाने वाला पीला रंग गुरु, शिक्षक या बुजुर्गों को लगा सकते हैं। उन लोगों को पीले रंग से रंग दें जिनसे ज्ञान और मार्गदर्शन प्राप्त किया हो।

गुलाबी

गुलाबी रंग करीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों को लगा सकेत हैं। ये रंग दोस्ती, स्नेह और दयालुता का प्रतीक है। जिससे भी आपका स्नेह औऱ देखभाल का संबंध है, उसे पिंक कलर लगा सकते हैं।

हरा

हरा रंग हरियाली, नई शुरुआत और वसंत रंगों का प्रतीक है। यह मन को शांति और हृदय को शीतलता प्रदान करता है। होली में हरा रंग परिवार के सदस्यों और बच्चों को लगाएं, जिनके साथ नई उम्मीदें और खुशियां साझा करना चाहते हैं।

नीला

दोस्तों और सहकर्म्यों को नीला रंग लगा सकते हैं। ये रंग उन्हें लगाएं जिनके साथ आप स्थायी और स्थिर संबंध रखना चाहते हैं। दरअसल नीले रंग का अर्थ विशालता, शांति और स्थिरता को दर्शाता है।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए पॉप स्टार व्हीसुंग, प्रशंसकों में शोक की लहर

कोरियन पॉप सिंगर चोई व्ही-सुंग ने 43 वर्ष की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनका निधन उनके सियोल अपार्टमेंट में हुआ। इनके निधन की

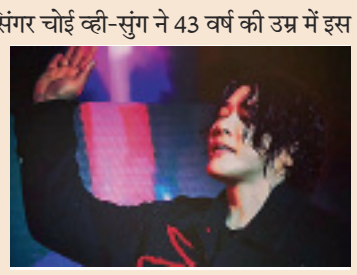

पुष्टि गायक की एजेंसी ताजॉय एंटरटेनमेंट ने की, जिसकी जानकारी हॉलीवुड रिपोर्टर के बयानों से मिली। इसमें कहा गया कि व्हीसुंग सभी को छोड़ चले गए, उनका निधन उनके निवास पर दिल का दौरा से पड़ने से हो गया था। एजेंसी ने कहा कि वे उनकी मौत से गहरे दुख में हैं।

के-पॉप गायक चोई व्हीसुंग, जिनका जन्म 5 फरवरी, 1982 में हुआ था। गायक अपनी भावुक भरी आवाज के लिए दर्शकों में मशहूर थे। गायक व्हीसुंग दक्षिण कोरिया के आर एंड बी के सबसे प्रभावशाली कलाकारों में से एक रहे। के-पॉप गायक चोई व्हीसुंग ने अपने करियर की शुरुआत साल 2002 में की। इनका पहला एल्बम 'लाइक ए मूवी' था। इसके बाद दूसरा एल्बम उनका साल 2003 में 'इट्स रियल' आया। इन दोनों एल्बम ने गायक को अच्छी खासी पहचान दिलाई।इसके साथ ही गायक को साल 2009 में 'इंसोमनिया' और साल 2011 में 'हार्टसोर स्टोरी' जैसी हिट फिल्मों के लिए जाना जाता था। वह आगामी 15 मार्च को डेगू में बैलेड गायक केसीएम के साथ एक संयुक्त संगीत कार्यक्रम की तैयारी कर रहे थे, लेकिन इससे पहले इनका निधन हो गया। एक गीतकार और निर्माता के रूप में, उन्होंने कोरिया के कुछ बड़ी हस्तियों के साथ काम किया था, जिनमें ऐली और गमी भी शामिल थे।

टॉलीवुड

'एसएसएमबी 29' के सेट से तस्वीरें लीक होने के बाद एक्शन मोड में राजमौली

इस हफ्ते की शुरुआत में एसएस राजामौली की अगली फिल्म 'एसएसएमबी 29' के सेट से महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन की शूटिंग की तस्वीरें ऑनलाइन लीक हो गईं, फिल्म निर्माता के लिए एक झटका था।

फिलहाल वह अपने जंगल एडवेंचर में फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं। फिल्म में प्रियंका चोपड़ा भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। वहीं, अब भविष्य के फिल्म के सेट से तस्वीरें लीक न हो इसके लिए निर्देशक एसएस राजामौली ने खास कदम उठाए हैं। आगे किसी भी तरह के नियमों के उल्लंघन से निपटने के लिए निर्देशक ने चल रहे ओडिशा शेड्यूल में सुरक्षा बढ़ा दी है। दरअसल, फिल्म की शूटिंग ओडिशा के कोरापुट के जंगलों में चल रही है और इस शेड्यूल में प्रियंका चोपड़ा भी शामिल हुई हैं। अब कोरापुट के तालामाली हिलटॉप में फिल्मांकन कर रहे 500 सदस्यीय दल के लिए थ्री-टियर सिक्योरिटी लागू की गई है। मिड डे की रिपोर्ट के अनुसार, राजमौली उस फिल्म के बारे में गोपनीयता बनाए रखना चाहते हैं, जिसे वह बना रहे हैं। एक अन्य टीम मुख्य फिल्मांकन स्थल पर तैनात रहती है और वॉकी-टॉकी को छोड़कर सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर प्रतिबंध रहता है। कोई भी दिक्कत, चाहे कितना भी छोटी क्यों न हो, फिल्म के आखिरी प्रोडक्शन को प्रभावित करता है।

महीने के अंत तक एसएस राजामौली भुवनेश्वर के बाहरी इलाकों और राज्य के जंगलों में शूटिंग करेंगे। प्रोडक्शन टीम ने स्थान के आसपास 35 अन्य सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया है। बताया गया कि सेट का स्थान लीक हो गया था, इसलिए घुसपैठियों को दूर रखने के लिए स्थानीय वन अधिकारियों को शामिल किया गया है। अभिनेताओं से अनुरोध किया गया है कि वे आधिकारिक घोषणा तक सोशल मीडिया पर कुछ भी साझा न करें।

भोजपुरी

'चार फेरे सात वचन' का फर्स्ट लुक जारी, आम्रपाली के साथ निरहुआ की जमेगी जोड़ी

भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ के फैंस को होली से पहले तोहफा मिला है। अभिनेता की आगामी फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर किया गया है।

निरहुआ की अगली फिल्म है 'चार फेरे सात वचन'। आज बुधवार को फिल्म की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर की गई है। दिनेश लाल यादव ने आज अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने फिल्म का फर्स्ट लुक शेयर किया है। वे हाथ में बंदूक लिए नजर आ रहे हैं। साफ है कि फिल्म में सुपरस्टार का एक्शन से भरपूर अंदाज देखने को मिलेगा। पोस्टर पर आम्रपाली दुबे और अक्षरा सिंह की भी झलक है। निरहुआ की इस फिल्म का निर्देशन संतोष मिश्रा ने किया है। प्रदीप पांडेय और सुरेंद्र कुमार ने इसे प्रोड्यूस किया है। इसमें आम्रपाली दुबे और अक्षरा सिंह भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। फिलहाल फिल्म की पहली झलक पर यूजर्स की सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है। यूजर लिख रहे हैं, 'दमदार है आपका अंदाज, फिल्म का इंतजार है'। अपनी इस फिल्म के अलावा दिनेश लाल यादव अपनी एक और फिल्म को लेकर जबर्दस्त तरीके से सुर्खियों में हैं। वह फिलम है, 'पटना से पाकिस्तान 2'। बीते दिनों उन्होंने लखनऊ में इस फिल्म की शूटिंग से कुछ झलकियां भी शेयर की थीं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म इस साल जून में रिलीज हो सकती है। यह दिनेश लाल की साल 2015 में आई फिल्म 'पटना से पाकिस्तान' की ही अगली कड़ी है।

रंगो का मेल

जर्मनी में सिज़ल आर्ट्स अपसाइकल्ड फैशन प्रदर्शनी में दर्शकों को रंगों का अनूठा मेल देखने को मिला. यहां पूरी तरह से अपसाइकल्ड सामग्रियों से बने फैशन पीस प्रदर्शित किए गए। जो फैशन उद्योग में स्थिरता और रचनात्मकता के महत्व पर जोर दे रहे हैं। दुनिया भर में अब रिसाइकल्ड कल्चर को पर्यावरण प्रेमी बड़ी तेजी से अपना रहे हैं।

त्योहारों में जरूर रखें अपने बालों का ध्यान, जानें इसका आसान तरीका

जब भी कोई त्योहार आता है तो लोग खूबसूरत दिखने के तमाम तरह के स्किन केयर ट्रीटमेंट कराते हैं। स्किन केयर ट्रीटमेंट की वजह से त्वचा पर ग्लो आता है, लेकिन कई बार त्योहारों की भागदौड़ में लोग अपने बालों का ध्यान रखना तो भूल ही जाते हैं। अगर सही समय पर बालों का सही से ध्यान न रखा जाए तो ये डैमेज होने लगते हैं और इनकी खूबसूरत कम होने लगती है। इस परेशानी से बचने के लिए बहुत से लोग तो सैलून जाकर हेयर ट्रीटमेंट भी करा लेते हैं। हेयर केयर ट्रीटमेंट कराने में काफी खर्चा आता है, इसकी वजह से कई लोग घरेलू तरीकों से ही अपने बालों का ध्यान रखते हैं।

न भूलें ऑयलिंग करना

त्योहारों की भागदौड़ में भी नियमित रूप से सिर की मालिश करें। इससे आपके सिर का ब्लड सर्कुलेशन सही रहता है और बालों की ग्रोथ भी सही से होती है।

जरूर करें स्कैल्प को साफ

अगर आप अपनी स्कैल्प को सही से साफ नहीं करेंगे, तो इससे बाल डैमेज होने लगते हैं। इसी की वजह से हमेशा डैंड्रफ की समस्या भी सामने आती है। ऐसे में स्कैल्प को सही से साफ रखें।

कंडिशनिंग है जरूरी

अगर चाहते हैं कि आपके बाल डाइड्रेट रहें तो बाल धोने के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल करना न भूलें। इससे बाल में नमी बरकरार रहती है।

हेयर मास्क का करें इस्तेमाल

इसके लिए जरूरी नहीं कि आप बाजार में बने मास्क का इस्तेमाल करें। आप इसके लिए घर पर बने हेयर मास्क का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।

हेयर ब्रश रखें साफ

जिस ब्रश से आप कंघी करते हों, उसे हमेशा साफ-सुथरा रखें। अगर कंघी गंदी होगी, तो ये बालों को डैमेज कर सकती है। आप बाल कंघी करने के लिए लकड़ी का कंघा इस्तेमाल कर सकती हैं।

गर्मियों के मौसम में बेस्ट है लाइट कलर के आउटफिट्स

गर्मियों के मौसम में कही जाने के दौरान महिलाएं ऐसे आउटफिट की तलाश में रहती हैं जिसमें वो कंफर्टेबल हो। वहीं आउटफिट ऐसा भी होना चाहिए जिसे गर्मियों के मौसम में आराम से कैरी किया जा सके और इस आउटफिट में वो स्टाइलिश और कूल भी नजर आएं। अगर आप गर्मियों के मौसम में किस तरह का आउटफिट पहने इस बात को लेकर कन्फ्यूज्ड हैं तो आप इस आर्टिकल की मदद से परफेक्ट ड्रेस का चुनाव कर सकती हैं। इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसे आउट्फ़िट्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिन्हें आप गर्मियों के मौसम में पहन सकती हैं और इस आउटफिट पर बेहतरीन भी नजर आएंगी।

चेक लाइन ड्रेस

स्टाइलिश और कूल आने के लिए आप इस तरह का चेक ए-लाइन वाली लाइट ग्रीन वाइट ड्रेस का चुनाव कर सकती हैं। इस ड्रेस आप जहां गर्मियों के मौसम में आराम से कैरी कर सकती हैं तो वहीं ये ड्रेस कंफर्टेबल भी है साथ ही इस ड्रेस में आप काफी सुन्दर भी नजर आएंगी। इस ड्रेस के साथ आप शूज या फिर हील्स पहन सकती हैं। वहीं इस तरह की ड्रेस आपको ऑनलाइन प्लेटफार्म पर आसानी से मिल जाएंगी। वहीं बाजार से भी आप इस तरह की ड्रेस खरीद सकती हैं।

फ्लेयर्ड ऑफस्लीव ब्लू ड्रेस

वहीं गर्मी में पसीना ज्यादा के आने की वजह हैवी ड्रेस कैरी करना मुश्किल होता हैं। ऐसे में आप कॉलर वाली फ्लेयर्ड ऑफ स्लीव ब्लू ड्रेस चुन सकती हैं। इस तरह की ड्रेस इस मौसम में पहनने के लिए परफेक्ट ऑप्शन हो सकता हैं। इस ड्रेस के साथ फुटवियर में सैंडल या फिर हाई हील्स पहन सकती हैं ताकि आप अट्रैक्टिव नजर आएं। इस तरह की ड्रेस भी आपको ऑनलाइन मिल जाएगी। वहीं ऑफलाइन भी आप इस तरह की ड्रेस को सस्ते दाम में खरीद सकती हैं।

अगर आप कुछ न्यू ट्रेंडिंग ड्रेस की तलाश में हैं तो आप इस तरह की पीच कलर की मिडी ड्रेस भी चुन सकती हैं। ये ड्रेस गर्मियों के मौसम में पहनने के लिए परफेक्ट ऑप्शन है और इस तरह की ड्रेस में आप काफी खूबसुरत भी नजर आएंगी।

नई दुल्हन अपने पास जरूर रखें इस तरह के फुटवियर, हर लुक के साथ लगेंगे कमाल

अगर आपकी शादी भी जल्द होने वाली है, तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, हम आपको कुछ ऐसे फुटवियर के बारे में बताएंगे, जो हर नई दुल्हन के पास होना बेहद जरूरी होता है। ये सभी फुटवियर ना सिर्फ आरामदायक होते हैं, बल्कि साथ में ये हर लुक के साथ कमाल के लगते हैं।

कोल्हापुरी चप्पल

शादी के बाद कई तरह की रस्में होती हैं, जिसमें नई दुल्हन को शामिल होना ही पड़ता है। इसके साथ ही रिश्तेदारों के यहां भी जाना पड़ता है। ऐसे में कोल्हापुरी चप्पल आपके पास जरूर होनी चाहिए। ये काफी आरामदायक होती है। खास बात ये है, कि इसे उतारने के लिए आपको हाथ का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

मोजरी

शादी के बाद अगर आप सूट पहनेंगी तो इसके साथ मोजरी देखने में कमाल की लगेगी। ये काफी आरामदायक भी होती हैं। ऐसे में आप इसे अपने साथ जरूर रखें। खास बात ये है मोजरी ज्यादा महंगी नहीं आती हैं तो आप एक से ज्यादा जोड़ी मोजरी अपने साथ रख सकती हैं।

पैंसिल हील्स

बहुत सी लड़कियों को हर आउटफिट में ग्लैमरस दिखना होता है। ऐसे में पैंसिल हील्स इसमें आपकी मदद कर सकती है। वेस्टर्न के साथ-साथ आप इसे एथनिक के साथ भी कैरी कर सकती हैं।

स्टिलेटोज

अगर आपको क्लासी लुक पसंद है, तो इस तरह की स्टिलेटोज अपने कलेक्शन में शामिल जरूर करें। ये साड़ी के अलावा सूट और वेस्टर्न ड्रेस के साथ भी काफी क्लासी लुक देती है।

हेयर केयर में कंडीशनर है सबसे फेवरेट तो इससे जुड़ी जरूरी बातें समझ लीजिए

हेयर केयर का आप बहुत ध्यान रखते हैं, आप इतना ध्यान रखते हैं कि कई बार लड़कियों को भी आपके बालों की केयर देख जलन होने लगती है। लेकिन बालों की केयर के लिए आप सबसे ज्यादा क्या इस्तेमाल करते हैं? अगर आप हेयर केयर के लिए सबसे ज्यादा हेयर कंडीशनर को पसंद करते हैं तो फिर आपको इस गाइड पर एक नजर जरूर डाल लेनी चाहिए।

हेयर कंडीशनर होता क्या है?

हेयर कंडीशनर स्किन लोशन की तरह होता है। जैसे लोशन स्किन को मुलायम और हेल्दी बनता है, ठीक वैसे ही कंडीशनर भी बालों का ध्यान रखता है।

खास बात ये है, कि ज्यादातर बार बालों के रूखा होने की वजह शैंपू ही होता है। दरअसल शैंपू के साथ बालों के नेचुरल ऑयल निकल जाते हैं।

इसके साथ बालों के रूखा होने की वजह सॉल्ट वाटर, क्लोरीन और सूरज की रोशनी भी होती है। मौसम का फर्क भी बालों पर साफ़ नजर आता है।

अगर आप ड्राई मौसम में रहते हैं तो बाल नेचुरली ही ड्राई हो जाएंगे। बार-बार बालों पर हेयर ड्रायर का इस्तेमाल करना भी सही नहीं होता है।

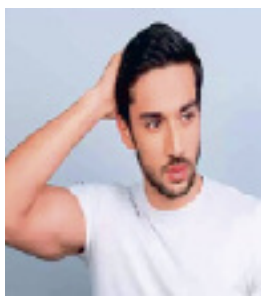

कंडीशनर बालों की ड्राईनेस कम करने का काम आसान कर देता है। इसके साथ बालो को इसके लिए जरूरी ऑयल और सिलिकॉन जैसे तत्व मिल जाते हैं। इनसे बाल हायड्रेट हो जाते हैं और फिर इनमें शाइन भी वापस आ जाती है। कंडीशनर के साथ बालों पर कंघी करना भी आसान हो जाता है।

कंडीशनर ही क्यों?

बालों को जल्दी-जल्दी धोने से बचें। बाल में अपने नेचुरल कंडीशनर होते हैं जो बहुत धोने से कम होने लगते हैं। जब ये कंडीशनर कम हो जाता है तब हमें बाजार वाले कंडीशनर की जरूरत होती है।

कार्नर न्यूज

होली मनाएं सुरक्षित ढंग से, आनंद हो जाएगा दोगुना

होली के दिन गलती से भी न पहनें ऐसे कपड़े, वरना सामने आएगी बड़ी मुसीबत

महाशिवरात्रि के बाद से लोगों के घरों में होली की तैयारियां शुरू हो जाती हैं। हर साल होली का त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। पंचांग के अनुसार, इस साल 14 मार्च को होली खेली जाएगी। भारत देश में ये त्योहार काफी धूमधाम से मनाया जाता है।

बहुत से लोग फूलों से होली खेलते हैं, तो कई लोग अपने-अपने घरों में रंग और गुलाल की होली पार्टी का आयोजन करते हैं। बहुत सी जगहों पर तो पक्के रंग से होली खेली जाती है। इन रंगों को छुड़ाना भी काफी मुश्किल होता है। पक्के रंग से होली खेलते वक्त कपड़ों का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है, क्योंकि पक्का रंग पानी में घोलकर होली खेली जाती है। अगर आप भी किसी ऐसी पार्टी में जा रहे हैं जहां पानी वाले रंग से होली खेली जाएगी, तो कपड़े पहनते वक्त कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें।

पुराने कपड़ों से रहें दूर

होली खेलने के लिए अगर आप ज्यादा पुराने कपड़े पहनेंगे, तो हो सकता है कि कमजोर होने की वजह से ये फट जाएं। ऐसे में आप शर्मिंदगी का शिकार हो सकते हैं। कई बार ज्यादा पुराने कपड़ों की सिलाई भी खुल जाती है। ऐसे में होली खेलने के लिए ज्यादा पुराने कपड़ों से दूरी बनाएं।

पारदर्शी कपड़े नहीं हैं सही विकल्प

अगर आप होली पार्टी में पारदर्शी कपड़े पहनकर जाएंगे, तो पानी पड़ने के बाद ये शरीर से चिपक जाएंगे। इससे आप खुद असहज महसूस करेंगे। ऐसे में सूती कपड़े पहनकर ही होली खेलने जाएं।

महिलाएं न पहनें साड़ी

होली पार्टी में महिलाएं साड़ी पहनकर जाने से दूर ही रहें। ऐसा करने से आपका पूरा लुक ही खराब हो सकता है। पानी पड़ने के बाद साड़ी शरीर से चिपकने लगती है, जिसके बाद आपको काफी परेशानी होगी।

ज्यादा टाइट कपड़े न पहनें

होली खेलने जा रहे हैं तो ज्यादा टाइट कपड़े न पहनें। इससे भीगे हुए कपड़े आपके शरीर से चिपके रहेंगे, जिसकी वजह से शरीर पर इंफेक्शन का खतरा मंडराता रहता है।